

झारखंड गजट

असाधारण अंक

झारखंड सरकार वारा काशत

2 आिवन, 1940 (श०)

सं\$ या-904 राँची, सोमवार 24 सत,बर, 2018(ई०)

वध (वधान) वभाग

अ०धसूचना

19 सत,बर, 2018

संया-एल०जी०-21/2018-141/लेज०-- झारखंड 2वधान मंडल का 4न,नल5खत अ०ध4नयम िजस पर रा7यपाल 8दनांक 17 सत,बर, 2018 को अनुम4त दे चुक= है, इसके वारा सवAसाधारण क= सूचना के लए काशत Cकया जाता है ।

नेताजी सुभाष व वव!यालय अध#नयम , 2018

(झारखंड अ०ध4नयम सं\$या- 11, 2018)

&'तावना

झारखंड रा7य मF **नेताजी सुभाष** 2वव2वयालय क= Gथापना एवं समावेश के लए और उससे संबK एक 4नजी 2वव2वयालय के आनुषं०गक मामलM क= िGथ4त दान करने हेतु एक अ०ध4नयम ;

जबCक यह समयो०चत है Cक पटना, Oबहार से सृिजित एवं पंजीकृत sitwanto Devi Mahila Kalyan संGथान सूरज पथ, Bariddih, ईGट संहभूम, जमशेदपुर, सोसायटर रिजGSेशन एTट, 21, 1860 (पंजीयन सं\$या-209/1996-97 8दनांक-11.12.1996) वारा ायोिजित नेताजी सुभाष 2वव2वयालय, पोखारR, ईGट संहभूम, जमशेदपुर क= Gथापना तथा समावेशन और उसके अनुXप

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

4नजी 2वव2वयालय का दजाA दान करने हेतु और उससे संबK आनुषं०गक मामलM के संदभा मF आवयक है ।

एतद Yवारा भारतीय गणरा7य के उZहतरवF वषA मF झारखंड 2वधान-सभा वारा 4न,नल5खत Xप मF अ०ध4नयमत Cकया जाता है:

&ारंभक

1. सं,-त नाम, व'तार एवं &ारंभ:-

- 1) यह अ०ध4नयम ” नेताजी सुभाष व वव!यालय अध#नयम, 2018“ कहा जाएगा ।
- 2) इसका 2वGतार स,पूणA झारखंड रा7य मF होगा ।
- 3) यह उस 4त०थ से वृत होगा जैसा Cक रा7य सरकार वारा शासक=य राजप_ मF अ०धसूचना जारR कर 4नयत Cकया जाय ।

2. प1रभाषा:-

अगर इस अ0ध4नयम के संदभA मF अZयथा अपे`ात/आवयक हो:

- (क) 'अकादमक प८रष' का अथA है 2वव2वयालय क= अकादमक प८रष जैसा Cक अ0ध4नयम क= धारा-24 मF व5णAत है;
- (ख) 'वा2षAक 4तवेदन' का आशय है 2वव2वयालय का वा2षAक 4तवेदन जैसा अ0ध4नयम क= धारा-39 मF संदभAत है;
- (ग) 'बंधन' बोडA' का अथA है, इस अ0ध4नयम क= धारा-23 के तहत ग8ठत 2वव2वयालय का बंधन बोडA;
- (घ) 'प८रसर' का आशय है 2वव2वयालय का aे_फल जहाँ यह अविGथत है;
- (ङ) 'कुला0धप4त' से आशय है 2वव2वयालय के कुला0धप4त, जो इस अ0ध4नयम क= धारा-12 के अधीन 4नयुTत हM;
- (च) 'मु\$य 2वित एवं लेखा पदा0धकारR' का अथA है 2वव2वयालय के मु\$य 2वित एवं लेखा पदा0धकारR जो अ0ध4नयम क= धारा-18 के अधीन 4नयुTत हM;
- (छ) 'परRaा 4नयं_क' का अथA है 2वव2वयालय के परRaा 4नयं_क, िजनक= 4नयुTत अ0ध4नयम क= धारा-19 के अधीन हुई हो;
- (ज) 'अंगीभूत महा2वयालय' से आशय है वैसे महा2वयालय अथवा संGथान जो 2वव2वयालय वारा संपो2षत हM;
झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर 2018
- (झ) 'कमAचारR' से आशय है 2वव2वयालय वारा 4नयुTत कमAचारR; इसके अZतगात 2वव2वयालय एवं अंगीभूत महा2वयालय के शाक एवं अZय कमAचारR भी समा8हत हk;
- (ञ) 'Gथायी 4न0ध' का अथA है 2वव2वयालय क= Gथायी 4न0ध िजसक= Gथापना अ0ध4नयम क= धारा-37 के तहत हुई हो;
- (ट) 'संकाय' से आशय है समान अनुशासनM के अकादमक 2वभाग;
- (ठ) 'शुमक' का आशय है 2वव2वयालय वारा 2वया0थAयM से उगाहर गयी राश, जो Cकसी पानयोम तथा उससे संबंधत हो;
- (ड) 'सामाZय 4न0ध' से आशय है 2वव2वयालय क= सामाZय 4न0ध, िजसक= Gथापना अ0ध4नयम क= धारा-38 के अZतगात हुई हो;
- (ढ) 'शासी 4नकाय' का अथA है 2वव2वयालय का शासी 4नकाय, िजसका गठन अ0ध4नयम क= धारा-22 के तहत हुआ हो;
- (ण) 'राqSRय मूमयांकन एवं ियायन प८रष' से आशय है राqSRय मूमयांकन एवं ियायन प८रष, बFगलुX, 2वव2वयालय अनुदान आयोग क= एक Gवायात संGथा;
- (त) '2व8हत/4नयत' का अथA है इस अ0ध4नयम के तहत 2व8हत/4नयत प८र4नयम और 4नयमावलR;

- (थ) '4त-कुलप4त' का अथA है 2वव2वयालय के 4त कुलप4त, िजनक= 4नयुि॒त अ०ध०नयम क= धारा-15 के तहत हुई हो;
- (द) 'कुलस०चव' का अथA है 2वव2वयालय के कुलस०चव, िजनक= 4नयुि॒त अ०ध०नयम क= धारा-17 के तहत हुई हो;
- (ध) '4नयं_ी 4नकाय' का आशय है भारत सरकार वारा उ॒च श॒ा के अकादमक Gतर के सु०नचयन हेतु मानकM एवं शत॒ के 4नधाAरण के लए Gथा०पत 4नकाय, यथा- 2वव2वयालय अनुदान आयोग, अ०खल भारतीय तकनीक= श॒ा प॒रष, रा॒qSRय श॒क श॒ा प॒रष, भारतीय ०च॒कiसा प॒रष, बार काउंसल ऑफ इंडया, फाम॒wसी काउंसल ऑफ इंडया, रा॒qSRय मू॒mयांकन एवं iयायन प॒रष, भारतीय नस॒xग प॒रष, भारतीय कृ०ष अनुसंधान प॒रष, वै॒yा4नक एवं औयो०गक शोध प॒रष आ०द तथा इसके अलावा सरकार अथवा कोई वैसा 4नकाय, जो भारत सरकार या रा०य सरकार वारा ग०ठत Cकया गया हो;
- (न) '4नयमावलR' से आशय है इस अ०ध०नयम के अ॒Zतगा॒त 4नमा॒त 4नयमावलR;
- (प) 'अनुसूची' का अथA है इस अ०ध०नयम के तहत संल॒न अनुसूची;
- (फ) 2वव2वयालय से संबंधत 'वतAक 4नकाय' का अथA है:-

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर 2018

- (i) सोसाइटरज रिजGSेशन ए॒T, 1860 के अ॒Zतगा॒त कोई संGथा, अथवा
- (ii) इंडयन SGT ए॒T, 1882 के अधीन पंजीकृत कोई लोक Zयास, अथवा
- (iii) Cकसी रा०य क= 2व०ध के अनु॒Xप पंजीकृत कोई संGथा या Zयास।
- (ब) 'रा०य सरकार' से आशय है झारखड क= रा०य सरकार;
- (भ) 'प॒र०नयम' 'अ॒यादेश' और '०व०नयम' का ०मशः आशय है, प॒र०नयम, अ॒यादेश और ०व०नयम जो इस अ०ध०नयम के अ॒Zतगा॒त 2वव2वयालय वारा 4नमा॒त हM;
- (म) '2वव2वयालय के ०वयाथ~' का अथA है 2वव2वयालय म॒F उपा०ध, वड॒लोमा अथवा 2वव2वयालय वारा Gथा०पत अ॒Zय अकादमक ०वश॒qटता ा॒त करने हेतु एक पा॒नयोम म॒F नामा॒Cकत ा॒यि॒त, िजसम॒F शोध-उपा०ध भी शामिल है;
- (य) 'श॒क' से आशय है ०फेसर, एसोसिएट ०फेसर, अस॒Gटे॒Zट ०फेसर अथवा इस तरह के अ॒Zय ा॒यि॒त, िजनक= 4नयुि॒त 2वव2वयालय या Cकसी अंगीभूत महा०वयालय या संGथा म॒F 4नद॒wशत करने (श॒ाण) अथवा शोधकायA संचालन हेतु हुई हो, इसके तहत अंगीभूत महा०वयालय अथवा संGथान के धानाचायA भी सि॒मलत ह॒क, िजनक= संपुि॒ट 2वव2वयालय अनुदान आयोग वारा 4नधाA॒रत 4नयमM के अ॒Zतगा॒त हुई हो;
- (र) '2वव2वयालय अनुदान आयोग' से आशय है 2वव2वयालय अनुदान आयोग अ०ध०नयम, 1956 के अधीन Gथा०पत 2वव2वयालय अनुदान आयोग;
- (ल) '2वव2वयालय' का अथA है इस अ०ध०नयम के अ॒Zतगा॒त झारखड म॒F Gथा०पत

नेताजी

सुभाष 2वव2वयालय;

(व) 'कुलप4त' से आशय है 2वव2वयालय के कुलप4त, िजनक= 4नयुित इस अ0ध4नयम क= धारा-13 के तहत हुई हो;

(श) '2विजटर'/'अ4त0थ'/'आगंतुक' से आशय है 2वव2वयालय के 2विजटर/अ4त0थ/आगंतुक

यथा इस अ0ध4नयम क= धारा-10 मF व5णAत है।

3. व वव!यालय क4 'थापना:-

- (1) 2वव2वयालय क= Gथापना **नेताजी सुभाष** 2वव2वयालय के नाम से होगी।
- (2) 2वव2वयालय का मु\$यालय झारखंड रा7य के अZतगAत होगा तथा यह **पोखार8, ई'ट)संहभूम, जमशेदपुर** मF अविGथत होगा।
- (3) वतAक 4नकाय को रा7य सरकार वारा ा0धकार प_ जारR Cकये जाने के बाद हर 2वव2वयालय का संचालन आरंभ Cकया जायेगा।
- (4) इस अ0ध4नयम क= अनुसूची 'ए' मF सि,मलत शतt को 2वव2वयालय 4नधाAcरत समयाव0ध मF पूरा करेगा।

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर 2018

- (5) 2वव2वयालय के शासी 4नकाय, बंधन बोडA, अकादमक पcrष, कुला0धप4त, कुलप4त, 4त कुलप4त, कुलस0चव, शाक, मु\$य 2वात एवं लेखा पदा0धकारR एवं अZय अ0धकारR यासदGय या ा0धकारR एतYवारा 2वव2वयालय के नाम से ग8ठत 4नकाय बनाएंगे जब तक वे इस पद पर है अथवा उनक=सदGयता बनी रहेगी।
- (6) 2वव2वयालय एक अस,बK 2वव2वयालय के Xप मF कायA करFगे और वे Cकसी भी महा2वयालय या संGथान मF नामांCकत 2वया0थAYM को उपा0ध (vड□ी), vड□लोमा और माण-प_ दान करने हेतु सबKता नहरं दे सकF गे।
- (7) इस अ0ध4नयम के भावी होने के पूवA वतAक 4नकाय के अंगीभूत महा2वयालय और संGथान, जो स,बKता ात हk और 2वव2वयालय के 2वशेषा0धकार का उपयोग कर रहे हk वे इस अ0ध4नयम के भावी होने के साथ हर उस 2वव2वयालय से अस,बK हो जाएंगे, उनक= ऐसी सु2वधाँ इस अ0ध4नयम के लागू होने के साथ समात हो जाएंगी और **नेताजी सुभाष** 2वव2वयालयके वतAक 4नकाय वारा दंत सु2वधाओं के साथ ऐसे महा2वयालय और संGथान उस **नेताजी सुभाष** 2वव2वयालय के अंगीभूत महा2वयालय या संGथान बन जाएंगे।
- (8) **नेताजी सुभाष** 2वव2वयालय नाम से एक 4नकाय होगा और इस अ0ध4नयम के ावधानM के अनुXप उसके पास सतत् पद-ाित अनुom और सामाZय 4तय्ा माणन क= शित होगी, स,प4त □हण करने व उस पर आ0धपिय रखने, उसे अनुबंध/संवदा पर देने अथवा क0थत नाम से वाद चलाने के अ0धकार हMगे या िजस पर वाद दायर Cकया जा सकेगा।
- (9) 2वव2वयालय रा7य सरकार अथवा केZ□ सरकार से Cकसी भी कार के अनुदान अथवा 2वातीय सहायता ात नहरं कर सकF गे।
बशतw Cक रा7य सरकार अथवा केZ□ सरकार अनुदान या अZय तरRके से 2वातीय सहायता दे सकती है:

- (a) शोध 2वकास और अZय ग4त2व0धयM के लिए जैसे रा7य सरकार के अZय संगठनM को 2व2वतीय सहायता उपलब्ध करायी जाती है अथवा
- (b) 2वशुट शोध अथवा कायAom आधारित कोई ग4त2व0ध;

4. व वव!यालय क4 स?प#त एवं इसके अनु&योग:-

- (1) 2वव2वयालय क= Gथापना हो जाने पर भूम और अZय चल एवं अचल स,प4तयाँ, जो झारखंड रा7य मF 2वव2वयालय के उब्ेय (पू4तA) के लिए अधिष्ठित, सृजित, व्यविGथत या 4नमआत क= जाती हk, वे 2वव2वयालय मF 4न8हत हMगी।
- (2) 2वव2वयालय वारा भूम, भवन और अZय अधिष्ठित स,प4तयाँ Cकसी अZय उब्ेय के लिए इGतेमाल नहरं हMगी सवा िजस उब्ेय के लिए वे अधिष्ठित क= गयी हk।

6

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

- (3) 2वव2वयालय क= चल अथवा अचल स,प4तयM का बंधन शासी 4नकाय वारा 2व4नयमM मF दित रR4त के अनुXप Cकया जायेगा।
- (4) उप धारा-(1) के अZतगात 2वव2वयालय के नाम से हGतांतर्गत स,प4त को 2वव2वयालय के 2वघटन अथवा समापन के फलGवXप 4नधाAरत ढंग से 4नयमावलR मF व5णAत तरRके से युTत Cकया जाएगा।

5. व वव!यालय के #नबCधन/अवरोध और बाEयताएँ:-

- (1) 2वव2वयालय के व्यावसायिक पान्यomM, यथा-अभयं ण एवं ौयो0गक=, 0चCकासा- शाG, बंधन आ8द के लिए शाण-शुमक का 4नधाAरण 2वव2वयालय के वारा रा7य सरकार वारा अधिसूचित समय-समय पर 4नयामक 4नकाय, जैसा वह उचित समझेगी, के पयावेाण मF Cकया जाएगा।
- (2) 2वव2वयालय मF नामांकन पूरR तरह योजयता के आधार पर होगा। 2वव2वयालय मF नामांकन क= योजयता का 4नधाAरण ातांक या अहAता परRaा मF ात िंड और पान्येतर और अ4तरTत पान्यचयाA ग4त2व0धयM अथवा रा7य Gतर पर 2वव2वयालय या 2वव2वयालयM के संगठन या रा7य सरकार के Cकसी अभकरण वारा समान पान्यomM के लिए संचालत वेश परRaा मF ात अंकM या िंड के आधार पर Cकया जाएगा।

बशतw Cक 2वव2वयालय के व्यावसायिक शाण महा2वयालयM अथवा संगथानM मF नामांकन 4नयं ी 4नकाय के ावधानM वारा शासत/4नयमत हो।

- (3) 4नधAन एवं आ0थाक िट से 2पछड़े वगt के 2वया0थायM के लिए 2वव2वयालय कोशाण शुमक मF पूरR अमता के कम से कम पाँच 4तशत को मेधा छावृ4त क= अनुम4त देनी होगी। 4नधAनता तथा आ0थाक िट से 2पछड़े वगt क= कसौटर का 4नधाAरण रा7य सरकार वारा समय-समय पर Cकया जा सकेगा।
- (4) 2वव2वयालय के 2वया0थायM क= कुल सं\$या के कम से कम पसचीस 4तशत सीटM पर झारखंड रा7य के अधवासी 2वया0थायM के लिए आर'त करने का ावधान 2वव2वयालय को करना होगा। सीटM के आरण का 4नयमन झारखंड सरकार के 4नयम और समय-समय पर जारR आदेशM के वारा Cकया जायेगा।

- (5) 2वव2वयालय को 2वव2वयालय के शाकेतर पदM के कम से कम पचास 4तशत शाकेतर पदM को झारखड रा7य के अ0धवासी लोगM के लिए आर'at करने का ावधान रखना होगा। सीटM के आराण का 4नयमन झारखड सरकार के 4नयम और समय-समय पर जारR आदेशM के वारा Cकया जायेगा।
- (6) 2वव2वयालय को अकादमक Gतर को बनाये रखने के लिए यथेुट/पयाAत सं\$या MF शाकM एवं अ0धकाऱयM क= 4नयुTत करनी होगी और यह सु4निचत करना होगा Cक

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

उन शाकM या अ0धकाऱयM क= योऱयता ासं0गक 4नयामक 4नकाय वारा 4नधाAcरत मानक से 4न,न न हो।

- (7) 2वव2वयालय को 2वव2वयालय से जुड़ी तमाम सूचनाएँ 2वया0थAYM एवं अZYपणधाऱयM के 8हत MF सावAज4नक करनी होगी, जैसे Cक संचालत पानयोम, अलग-अलग को8ट (□ेणी) के तहत सीटF, शुमक एवं अZY पऱर□यय, दत सहूलयतF एवं सुख सु2वधाएँ, उपल□ध संकाय/ायापक वगA एवं अZY ासं0गक सूचनाएँ।
- (8) पऱर4नयमM MF व5णAत RR4त के अनुXप 2वव2वयालय ियेक अकादमक वषA MF उपा0ध, vडलोमा दान करने एवं अZY उ□ेय से दRaांत समारोह आयोजित कर सकेगा।
- (9) 2वव2वयालय को Gथापना के पाँच वषत के भीतर राqSRय मूमयांकन एवं ियायन पऱरष (NAAC) से ियायन ात करना होगा और भारत सरकार क= अZY 4नयामक संGथाएँ, जो 2वव2वयालय वारा संचालत पानयोमM से स,बK हk, के वारा दित □ेड क= सूचना रा7य सरकार को देनी होगी। 2वव2वयालय को समय-समय पर ऐसे ियायन का नवीकरण कराना होगा।
- (10) इतना होते हुए भी इस अ0ध4नयम क= अनुसूची 'A' MF उिमल5खत शत और भारत सरकार क= 4नयामक संGथाओं के 4नयमM, 2व4नयमM, मानदडM आ8द का इन संGथाओं वारा दित सहूलयतM तथा सहयोग व कतA□यM के 4नqपादन एवं कायA को जारR रखने के लिए उन संGथाओं को जैसी आवयकता होगी, 2वव2वयालय के लिए इनका अनुपालन बायकारR होगा।

6. वववयालय के उेय:-

2वव2वयालय का उ□ेय अनुदेशनािमक, शोध तथा सार एवं ऐसी अ0धगम क= शाखाओं के वारा जैसा वो उपयुTत समझे, यान तथा कौशलM को बढ़ाना तथा 2वगतार करना होगा और 2वव2वयालय यह यान करेगा Cक 2वया0थAYM तथा शाकM को 4न,नल5खत के लिए आवयक माहौल तथा सु2वधाएँ उपल□ध करायी जायF:-

- (क) पानयोम का मु\$य शाा MF पुन4नAमाAण एवं नवाचार, शाण के नवीन तरRके, शाण तथा अ0धगम ऑनलाइन अ0धगम स8हत, सि,म0□त अ0धगम, सतत् शाा एवं अZY तरRके तथा एक=कृत एवं □यिटिव का 8हतकर 2वकास;
- (ख) 2वव2वध अनुशासनM MF आययन;
- (ग) अंतर अनुशास4नक आययन;
- (घ) राqSRय अखंडता, धमा4नरपेता एवं सामाजिक समता तथा अZतरराqSRय मेल मलाप एवं नी4तशाG ।

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

7. व वव!यालय)लंग, धमK, वगK, रंग, पंथ, अथवा मत से परे सबके)लए खुला होगा:-

Cकसी भी णिात को 2वव2वयालय के Cकसी कायाAलय अथवा उसके Cकसी अZय ा0धकार क= सदGयता से अथवा Cकसी vडणी, vडलोमा अथवा अZय अकादमक वैशqय पाnयोम मF नामांकन से लंग, मत, वगA, जा4त, जZम के Gथान और धामAक 2ववास अथवा राजनी4तक या अZय मतवाद के आधार पर पापात या भेदभाव कर वं0चत नहRं Cकया जाएगा।

8. व वव!यालय के कायK एवं शिमतयाँ:-

- (i) 2वव2वयालय का शासन एवं बंधन, इसके अंगीभूत महा2वयालयM का शासन एवं बंधन तथा शोध, शाण, शाण के केZणM का 2वगतार एवं सतत् शाा, दूरGथ अ0धगम एवं ई-ल4नxग के 2वगतार एवं पहुँच को इसके झारखंड रा7य मF अविGथत पसरसर मF संचालन व बंधन;
- (ii) 2वयान, ौयो0गक=, मान2वक=, समाज 2वयान, शााI-शाG, बंधन, वा5ण7य, 2व0ध, फामwसी, GवाG' य सेवा एवं अZय aे_M मF शोध, उच शाा, णावसा4यक शाा, शाण- शाण, सतत् शाा, दूरGथ अ0धगम एवं ई-ल4नxग के संसाधनM को उपलध कराना;
- (iii) शै'क ौयो0गक=, शाण एवं अ0धगम Coया मF नवाचारR योग, राqSRय एवं अZतरराqSRय संGथाओं के साथ सहयोग एवं वैसी संGथाओं को संयुत कायाAomM का Gताव देना िजससे शाा के 2वतरण एवं अZतरराqSRय मानकM को 2वकसत एवं ात करने मF 4नरंतरता रहे;
- (iv) शाा दान करने मF लचीलेपन के लए 4नधाAcरत पाnयोम, पाnयचयाA एवं णालR मF इलेTSा4नक एवं दूरGथ अ0धगम 2व8हत करना;
- (v) परRaा का आयोजन तथा Cकसी णिात के नाम 2वव2वयालय वारा तय शत के साथ उपा0ध, vडलोमा या माण-प और अZय अकादमक 2वशqटता दान करना अथवा 2व4नयमM मF व5णAत तरRके से उस उपा0ध, vडलोमा या माण-प और अZय अकादमक 2वशqटता या नाम को वापस लेना;
- (vi) फेलोशप (शाावृित), छावृित, पदक और पुरGकार Gथा2पत एवं दान करना;
- (vii) पसर4नयम मF व5णAत तरRके के अनुXप मानद उपा0ध या अZय 2वशqटता दान करना;
- (viii) उेयM क= ाित मF आवयक सहायता के लए Gकूल, केZ, संGथान, महा2वयालय क= Gथापना और 2वव2वयालय के मतानुसार कायाAomM तथा पाnयोमM का आयोजन;
- (ix) 2वव2वयालय के मतानुसार शाा दान करने व योजनM के ोसाहन के लए Cकसी महा2वयालय, केZ, संGथान को अंगीभूत महा2वयालय घो2षत करना या नये अंगीभूत महा2वयालय, केZ, संGथान क= Gथापना करना;

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

- (x) शोध, शाण सामणी एवं अZय कायत के लए मुण, काशन एवं पुनXiपादन हेतु बंधन एवं दशा4नयM, स,मेलनM, कायाAशालाओं एवं संगोिठयM का आयोजन;
- (xi) यान संसाधन केZ क= Gथापना;

- (xii) 2व्यंन, ौयो0गक=, मान2वक=, समाज 2व्यंन, शाा, बंधन, वा5ण7य, 2व0ध, फामwसी, GवाG' य सेवा एवं अZय स,बK aे_M मF अनुसंधान तथा शै'aक कायAomM का ायोजन एवं दा4यiv वहन करना;
- (xiii) समान उ□ेयM के लए Cकसी शै'aक संGथान के साथ सहयोग व संबKता;
- (xiv) 2वव2वयालय के उ□ेयM क= ािखत के लए आभासी (वचुAअल) पcrसर समेत पcrसरM क= Gथापना;
- (xv) पेटेZट कृत के शोध, योजना अ0धकारM एवं ऐसे समान अ0धकारM के साथ साम ा0धकारM से अनुसंधान के संबंध मF पंजीकरण का दा4यiv लेना;
- (xvi) 2वव2वयालय के आंशक अथवा पूणA उ□ेयM क= ािखत हेतु दु4नया के Cकसी भी 8हGसे के शै'aक एवं अZय संGथानM, 2वव2वयालयM के साथ 2वया0थAYM, शोधा0थAYM, शाकM, कमAचाcrयM के आदान-दान के वारा संबंध अथवा सहयोग बनाना जैसा वो उ0चत समझे;
- (xvii) अनुसंधान, शाण, परामशा तथा इस कार क= अZय सेवाएँ देना, जो 2वव2वयालय के योजन के लए आवयक हो;
- (xviii) शाकM, शोधा0थAYM, शासकM एवं 2व्यंन, ौयो0गक=, मान2वक=, समाज 2व्यंन, शाा, बंधन, 2व0ध, वा5ण7य, फामwसी, GवाG' य सेवा एवं स,बK aे_ के 2वशेषyM के बीच 2वव2वयालय के ल□यM क= ािखत के लए संबंध बनाये रखना;
- (xix) म8हलाओं एवं अZय वं0चत 2वया0थAYM के लए 2वव2वयालय वारा यथासंभव वांछनीय 2वशेष □यवGथा करने पर 2वचार;
- (xx) 2वव2वयालय के □यय का 4नयमन, 2वाित का बंधन एवं लेखा का रख-रखाव;
- (xxi) 2वव2वयालय के उ□ेय एवं ल□य ािखत के लए हGतांतरण वारा 4न0ध, चल एवं अचल स,पित, उपGकर, सॉ□टवेर एवं अZय संसाधनM को □यवसाय, उयोग, समाज के अZय वगत, राqSRय एवं अZतरराqSRय संगठनM अथवा Cकसी अZय □ोत से उपहार, दान, उपकार या वसीयत के Xप मF ािखत करना;
- (xxii) 2वया0थAYM के लए सभागार, छा_ावास एवं शाकM तथा कमAचाcrयM के 4नवास के लए आवास का 4नमाAण, रख-रखाव एवं □यवGथा;
- (xxiii) खेल, सांगकृतक सह-पानयचयाA एवं अ4तरTत पानयचयाA ग4त2व0धयM क= उZन4तके लए केZ□M, पcrसरM, सभागारM, भवनM, Gटेवडयम का 4नमाAण, बंधन तथा रख-रखाव;

10

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,201

8

- (xxiv) 2वव2वयालय के 4नवासी 2वया0थAYM, शाकM तथा कमAचाcrयM के लए अनुशासन बनाये रखने और उनके GवाG' य, सामाZय कमयाण, सामािजक एवं सांगकृतक ग4त2व0धयM के ोसाहन, संवKान हेतु पयAवेaण, 4नयं_ण तथा 4नयमन;

- (xxv) पcr4नयम वारा 4नधाAcrत फ=स एवं अZय शुमक तय करना, मांगना तथा ािखत करना; (xxvi) फैलोशप (शोधवृित), छा_वृित, पुरGकार, पदक एवं अZय पुरGकारM क= Gथापना; (xxvii) 2वव2वयालय आवयकता या योजन को पूरा करने क= ािखत से Cकसी भूम या भवन को खरRदने, प□े पर लेने या उपहार वसीयत, 2वरासत या अZय तरRके

से कायA हेतु ात कर सकेगा और यह उन 4नयमM व शत के Xप मF GवीकायA हो सकता है, िजससे Cकसी भवन को बनाने या कायA करने, उसमF पकरवतAन करने और रख-रखाव हेतु उ0चत हो;

(xxviii) 2वव2वयालय के 8हत, ग4त2व0धयM एवं उ0ेयM क= संग4त क= िट से जो माZय हो, उसके अनुXप 2वव2वयालय क= चल या अचल स,पित या उसके Cकसी 8हGसे को बेचने, 2व4नयम, प0ा या अZय तरRके से बंधत करना;

(xxix) 4नमाAण और समथAन, कटौती और वाताA, वचनप_ नोट, 2व4नयम Oबल, चेक और अZय 2व4नमेय उपGकर आक2षAत और Gवीकार करना;

(xxx) 2वव2वयालय के सभी खचत को पूरा करने के लिए 2वव2वयालय क= 4न0ध को बढ़ाना और बांड पर उधार लेना, बंधक, वचनप_ नोट या अZय दा4यवM या 4तभू4तयM क= Gथापना या स,पूणA अथवा 2वव2वयालय क= Cकसी संपित और पकरस,पित अथवा Oबना Cकसी 4तभू4त और माZय 4नयमM और शत के अनुXप करना;

9. स?ब0ता के अवरोधक:-

- (1) 2वव2वयालय को Cकसी महा2वयालय या संगथा को स,बKता देने का 2वशेषा0धकार नहरं होगा।
- (2) 2वव2वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा Gथा2पत ऐसे अZय 4नयामक 4नकायM अथवा केZ या रा7य सरकार, जैसा भी हो, के वारा पूवA Gवीकृत के पचात् हर 2वव2वयालय अपने पकरसर के अलावा कोई दूरवत~ पकरसर, अपतट पकरसर, अययन केZ, परRaा केZ झारखड रा7य के अZदर या बाहर शुX कर सकेगा।
- (3) दूरGथ णालR से पानयोमM क= शुXआत केवल 2वव2वयालय अनुदान आयोग अथवा सरकार वारा Gथा2पत ऐसी 4नयामक संगथा क= पूवA Gवीकृत के बाद क= जाएगी।

10. आगंतुक (विजटर):-

- (1) झारखड के रा7यपाल 2वव2वयालय के 2विजटर (आगंतुक) हMगे।
- (2) आगंतुक (2विजटर) जब दRaांत समारोह मF वड0ी (उपा0ध), वडलोमा, चाटAR, ओहदा (पदनाम) और माण-प_ दान करने के लिए मौजूद रहFगे तो उसक= अयाता करFगे।
- (3) 2वव2वयालय अथवा 2वव2वयालय वारा संपो2षत Cकसी संगथान के शाा के Gतर, अनुशासन, शूटाचार और समु0चत Coयाशीलता को सु4निचत करने क= िट से आगंतुक को 2वव2वयालय के िमण/दौरे का अ0धकार होगा।

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 11

व वव!यालय के अधिकार8

11. व वव!यालय के #न?न)लQखत अधिकार8 हरगे:-

- (क) कुला0धप4त (छ) कुलप4त
- (ख) 4त-कुलप4त
- (ज) 4नदेशक/धानाचायA (ग) कुलस0चव (झ) मु\$य 2वित एवं लेखा पदा0धकारR
- (घ) परRaाI 4नयं_क
- (ञ) छा_कमयाण संकायायA (ड) संकायायA (च) कुलानुशासक और
- (च) 2वव2वयालय मF अZय ऐसे अ0धकारR जो पकर4नयम वारा घो2षत Cकये जाएंगे।

कुलाधप#त:-

- (1) कुला0धप4त क= 4नयुित वतAक 4नकाय वारा पाँच वषत क= अव0ध के लिए

आगंतुक (2विजटर) के अनुमोदन के पचात् 4नधाAcrत Coयाओं तथा एतसंबंधी 4नयमM एवं शत के अनXप क= जाएगी। कायAकाल पूरा होने के पचात् कुला0धप4त आगंतुक क= सलाह के बाद वतAक 4नकाय वारा पुन4नAयुTत Cकये जा सकF गे।

(2)

कुला0धप4त अपने कायाAलय पद के अ0धकार से 2वव2वयालय के धान हMगे। (3)

कुला0धप4त शासी 4नकाय क= बैठकM क= आयता करFगे और जब आगंतुक

(2विजटर)मौजूद नहरं रहFगे तब उपा0ध (vड□ी), vडलोमा या अZय अकादमक

2वशqटता दान करने हेतु दर्राांत समारोह क= आयता करFगे।

(4) कुला0धप4त अपने हाथ से ल5खत व वतAक 4नकाय को संबो0धत कर अपने पद से इGतीफा दे सकते हk।

(5) कुला0धप4त को 4न,नल5खत अ0धकार हMगे, यथा:-

(क) Cकसी भी जानकारी या अभलेख क= माँग करने;

(ख) कुलप4त क= 4नयुTत;

(ग) इस अ0ध4नयम के ावधानM के अनुXप कुलप4त को हटानेऔर

(घ) इस अ0ध4नयम या पcr4नयमM के वारा दित अZय शिटतयों।

13. कुलप#त:-

(1) कुलप4त क= 4नयुTत कुला0धप4त 2वव2वयालय अनुदान आयोग वारा 4नधाAcrत योजयताओं के अनुXप करFगे और ये पाँच साल क= अव0ध के लिए अपने पद पर बने रहFगे। बशतw Cक कुलप4त पाँच वर्षA क= अव0ध पूरR होने के पचात् पाँच वर्षA के कायAकाल के लिए पुन4नAयुTत के पा_ हMगे। शतA यह रहेगी Cक कुलप4त के 4नयुTत षिटत 70 वर्षA क= आयु पूरR करने के बाद अपने पद से, कायAकाल के या 2वGताcrत कायAकाल से सेवा4नवृत हो जाएगा।

एक और
Xप मF
दौरान

(2) कुलप4त 2वव2वयालय के मु\$य कायAकारR और अकादमक अ0धकारR हMगे और 2वव2वयालय के मामलM मF सामाZय अधीaण और 4नयं_ण का योग करFगे तथा 2वव2वयालय के 2वभZन ा0धकारM वारा लिए गए फैसलM पर अमल करFगे।

(3) आगंतुक (2विजटर) और कुला0धप4त क= गैर मौजूदगी मF 2वव2वयालय के दर्राांत समारोह क= आयता करFगे।

12

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

(4) कुलप4त य8द यह अनुभव करF Cक Cकसी मामले पर तिकाल कारAवाई आवश्यक है, तो वे 2वव2वयालय के Cकसी ा0धकार का इस अ0ध4नयम के तहत दित शिटतयM का इGतेमाल कर सकते हk और उस ा0धकार को संबK मामले मF कृत कारAवाई क= जानकारी दे सकते हk।

बशतw Cक 2वव2वयालय का ा0धकार या 2वव2वयालय क= सेवा का अZय षिटत य8द कुलप4त वारा कृत कारAवाई से षय0थत है तो इस उप धारा के तहत इस 4नणAय के संे2षत होने क= 4त0थ के एक माह के भीतर कुला0धप4त के समा अपील कर सकता है। कुला0धप4त, कुलप4त वारा क= गयी कारAवाई को संपुट, संशो0धत या पcrव4तात कर सकते हk।

(5) कुलप4त ऐसी शिटतयM का योग करFगे और इस तरह के अZय कायA करFगे जो 2व8हत Cकया जाय।

14.

कुलप#त क4 पदSयु#त:-

(1) कुला0धप4त को य8द Cकसी समय Cकसी

जाँच के पचात् आवयक लगे या तीत हो

Cक कुलप4तः

(क) इस अ0ध4नयम, प८र4नयम, अयादेश के तहत दित कतA□यM के 4नवAहन
मF 2वफल रहे हM; अथवा

(ख)

2वव2वयालय के 8हतM के 2वपरRत पूवाA□ह से े८रत होकर कायA Cकये हM, या

(ग) 2वव2वयालय के मामलM को सुलझाने मF अaम हM, तो कुला0धप4त इस बात

के होते हुए भी Cक कुलप4त का कायAकाल पूरा नहरं हुआ है, कारण बताते हुए

4नधाA८रत 4त0थ से पद से इGतीफा देने के लए ल5खत आदेश दे सकते हk।

(2) उप धारा (1) के तहत 2वशेष आधार पर कारAवाई के Cकसी Gताव क= सूचना
8दए 0बना कोई आदेश प८रत नहरं Cकया जाएगा, Gता2वत आदेश के 5खलाफ
कारण बताने का एक समु0चत अवसर कुलप4त को 8दया जाएगा।

15. &#t-कुलप#त:-

(1) 4त-कुलप4त क= 4नयुित कुला0धप4त वारा इस तरRके से क= जाएगी और वह
ऐसी शितयM का योग करेगा तथा ऐसे कायt का 4नqपादन करेगा जो 2व8हत Cकया
जाय। (2) 4त कुलप4त उप धारा-1 के तहत 4नयुित एक ोफेसर के Xप मF अपने

कतA□यM के अलावा अपने कतA□य का 4नवAहन करFगे।

(3) 4तकुलप4त कुलप4त को उनक= आवयकतानुसार उनके कतA□यM के
4नवAहन मF सहायता करFगे।

(4) 4तकुलप4त वतAक 4नकाय वारा 4नधाA८रत राश मानदेय के Xप मF ात
करFगे। 16. #नदेशक/&धानाचायK :-

4नदेशकM/धानाचायt क= 4नयुित 4न8दAqट ढंग से तथा दित शितयM का योग कर
क= जा सकेगी।

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 13

17. कुलसचव :-

(1) कुलस0चव वतAक 4नकाय के अयाa वारा प८र4नयम मF 4न8दAqट ावधानM के
अनुसार 4नयुित Cकये जाएंगे। कुलस0चव 2वव2वयालय अनुदान आयोग वारा
4नधाA८रत यो2यता को धारण करFगे।

(2) कुलस0चव को 2वव2वयालय क= ओर से अभलेखM, दGतावेजM को अभमा5णत
करने, माण-प_M पर हGताar करने तथा समझौता करने क= शित होगी तथा वे ऐसी दूसरR
शितयM का योग एवं कायt को पूरा करFगे जो उनके लए 4न8दAqट Cकया गया हो।

(3) कुलस0चव कायAकारR प८रष एवं अकादमक प८रष के पदेन सदGय स0चव हMगे
लेCकन उZहF मत देने का अ0धकार नहरं होगा।

18. मुय वUत तथा लेखा अधिकार8 :-

(1)

वतAक 4नकाय के अयाa वारा मु\$य 2विता तथा लेखा पदा0धकारR क= 4नयुित इस
कार क= जाएगी, जैसा प८र4नयम मF 4न8दAqट हो।

(2) मु\$य 2विता एवं लेखा पदा0धकारR ऐसी शितयM का योग तथा दा4यिवM का
4नवAहन कर सकF गे जैसा Cक प८र4नयम मF 4न8दAqट है।

19. पर8-ा #नयंVक:-

(1)

परRaा 4नयं_क 2वव2वयालय का पूणAकालक पदा0धकारR होगा तथा प८र4नयम के
अनुXप कुला0धप4त वारा 4नयुित Cकया जाएगा।

(2) परराा 4नयं_क के दा4यिव हMगे:-

(क) परराा को अनुशासत एवं कुशल तररके से संचालत करना;

(ख) स\$त गोपनीयता क= ँिक्ट से न-प_M के चयन क= ँयवGथा करना;

(ग) 4नधाAरत समय-सांरणी के अZतगात उातर पुिGतकाओं के मूमयांकन क= ँयवGथा करना;

(घ) परराा-I-णालR क= 4नqपाता और 2वषय4नqठता को उZनत बनाने तथा 2वया0थायM क= योजयता के सहR आकलन क= ँिक्ट से बेहतर साधन अपनाने के लए सतत् समीाा करना;

(ङ)

कुलप4त के वारा समय-समय पर संपे गए उन सारे दा4यिवM का 4नवAहन करना जो परराा से संबं0धत हM।

20. अWय अधिकार8:-

छा_ कmयाण संकायायa, संकायायa और मु\$य कुलानुशासक स8हत 2वव2वयालय के अZय अ0धकांरयM के दा4यिव, शिटतयM और 4नयुित का तररका वैसा होगा, जैसा 4न8दAqट Cकया गया हो।

21.

व वव!यालय के ँाधिकार:- 2वव2वयालय के 4न,नल5खत ँा0धकार हMगे, यथा-

(क) शासी 4नकाय

(ख) बंधन बोडा

(ग) अकादमक पंरष

(घ) 2वांत सम4त

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

(ङ) योजना बोडा

(च) वैसे अZय सभी ँा0धकार, जो पंर4नयम के वारा 2वव2वयालय के ँा0धकार घो2षत Cकये गये हM।

22. शासी 4नकाय

(1) शासी 4नकाय के 4न,नल5खत सदGय हMगे, यथा-

(क) कुला0धप4त;

(ख) कुलप4त;

(ग) सरकार के स0चव, उसच एवं तकनीक= शाा 2वभाग, झारखंड अथवा उनका 4त4न0ध;

(घ) वतAक 4नकाय वारा नामत पाँच ँयित, िजनमF से दो \$यात शाा2व हMगे;

(ङ) कुला0धप4त वारा नामत 2वव2वयालय के बाहर से एक ँयित, जो बंधन और ौयो0गक= के 2वशेषy के Xप मF हMगे।

(च) कुला0धप4त वारा नामत एक 2वांत 2वशेषy।

(2) शासी 4नकाय 2वव2वयालय का सवसच ँा0धकार एवं मु\$य शासी 4नकाय होगा।

इसक= 4न,नल5खत शिटतयाँ हMगी, यथा:-

(क) 4नयम, पंर4नयम, अ0ध4नयम, 2व4नयम अथवा आयादेश का योग करते हुए

2वव2वयालय के कायt को 4नयंO_त, 4नदwशत एवं संचालत करना;

(ख) 2वव2वयालय के अZY 4नणAयM क= समीaा करना य8द वे अ0ध4नयमM,

पcर4नयमM, आयादेश, 2व4नमय या 4नयमावलR के ावधानM के अनुXप नहरं हो;

(ग) 2वव2वयालय के वा2षAक 4तवेदन तथा बजट को अनुमो8दत करना;

(घ) 2वव2वयालय वारा अनुपालन हेतु 2वGतृत् नी4तयM का 4नमाAण;

(ङ) 2वव2वयालय के 2वघटन के लए वतAक 4नकाय को अनुशंसा करना, य8द

संपूणA यास के बाद भी 2वव2वयालय ठ□क ढंग से कायA संपZन करने क= िGथ4त MF नहरं हो;

(च) पcर4नयमM वारा 4न8दAqट अZY शिटतयM का योग करना।

(3) शासी 4नकाय क= बैठक एक कैलFडर वषA MF कम-से-कम तीन बार होगी।

(4) बैठक का कोरम चार होगा;

बशतw उसच एवं तकनीक= शाaा 2वभाग, झारखंड सरकार के स0चव या उनक=

अनुपिGथ4त MF 4नदेशक, उसच शाaा iयेक बैठक MF उपिGथत हM, िजसMF सरकारR नी4तयM या 4नदwशM

से संबं0धत 4नणAय लये जाने हM।

23. &बंधन बोडK:-

(1) बंधन बोडा 4न,नल5खत सदGYM के योग से ग8ठत होगा, यथा-

(क) कुलप4त;

(ख) सरकार के स0चव, उसच एवं तकनीक= शाaा 2वभाग, झारखंड अथवा उनके नाम4त;

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 15

(ग) वतAक 4नकाय वारा नामत शासी 4नकाय के दो सदGY;

(घ) वतAक 4नकाय वारा नामत तीन सदGY, जो शासी 4नकाय के सदGY नहरं हk;

(ङ) शाकM के बीच से वतAक 4नकाय वारा नामत तीन सदGY;

(च) कुलप4त वारा नामत दो शाक।

(2) बंधन बोडा के आया कुलप4त हMगे।

(3) बंधन बोडा क= शिटतयाँ एवं कायA पcर4नयम MF जैसा 4न8दAqट है, के अनुXप

होगा। (4) बंधन बोडा क= बैठक का कोरम पाँच होगा;

बशतw Cक सरकार के स0चव, उसच एवं तकनीक= शाaा 2वभाग, झारखंड सरकार अथवा उनक= अनुपिGथ4त MF 4नदेशक, उसच शाaा iयेक बैठक MF उपिGथत हM; िजसMF सरकार क= नी4तयM/4नदwशM से संबं0धत 4नणAय लये जाने हM।

24. अकादमक प1रष!:-

(1) अकादमक पcरष कुलप4त तथा वैसे सदGYM के योग से बनेगा, जैसा पcर4नयम MF 4न8दAqट है।

(2) अकादमक पcरष के आया कुलप4त हMगे।

(3) आकादमक पcरष 2वव2वयालय क= मु\$य अकादमक 4नकाय होगी, जैसा Cक अ0ध4नयम, पcर4नयमM, आयादेशM MF ावधान है और यह 2वव2वयालय क=

अकादमिक नीति का संयोजन तथा पयावेग करेगी।

(4) अकादमिक पदों के बैठक का कोरम पदों के अनुपयोग होगा।

25. वृत्त संयोजन:-

(1) वृत्त समितियों के वृत्त संयोजन के मुख्य वृत्तीय निकाय होगी, जो वृत्त संबंधी मामलों को देख-रेख करेगी।

(2) वृत्त समिति का संवधान, शक्तियाँ और कार्य के अनुपयोग हमें जैसा कि संवधान द्वारा किया जाय। **26. योजना बोर्ड:-**

(1) योजना बोर्ड वृत्त संयोजन का धान योजना निकाय होगा और यह सुनिश्चित करेगा

कि बुनियादी ढाँचा और अकादमिक समर्थन पालिका वृत्त संयोजन अनुदान आयोग तथा अर्थ पदों द्वारा निकायों को पूरा करती है।

(2) योजना बोर्ड का संवधान, उसके सदस्यों का कार्यकाल तथा उनका शक्ति एवं कार्य का निकायण वैसा होगा जैसा कि संवधान द्वारा किया जाय।

27. अध्यक्ष & अधिकार:-

वृत्त संयोजन के अर्थ अधिकार का गठन, शक्तियाँ तथा कार्य वैसा होगा जैसा कि संवधान द्वारा किया जाय।

28. निकाय & अधिकार अथवा निकाय के सदस्यों के लिए अयोग्यता:-

कोई व्यक्ति वृत्त संयोजन के निकाय अधिकार या निकाय के सदस्यों के योग्य नहीं होगा, यदि वह:

(क) यदि वह अयोग्य मानस का है और उसे सामान्यतः वृत्त संयोजन द्वारा ऐसा घोषित किया गया है;

(ख) यदि अयोग्य है;

16

झारखण्ड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 201

8

(ग) यदि नैतिक गलतियों का अपराधी पाया गया है;

(घ) निकाय पर निकाय के संचालन में अनुचित व्यवहार करने अथवा नैतिकता करने के लिए कहें भी, निकाय में दंडित किया गया है।

29. शक्तियाँ व वृत्त संयोजन के अधिकार अथवा निकाय के गठन या कार्यवाही को अयोग्य नहीं करेगी:-

वृत्त संयोजन के निकाय अधिकार के कार्यवाही सफल इसलिए अयोग्य नहीं कर जायेगी कि वृत्त संयोजन के निकाय अधिकार या संगठन के प्रति अथवा संवधान में कोई दोष है।

30. संयोजन का गठन:-

वृत्त संयोजन के अधिकार ऐसी शक्तियों के साथ जो विशेष काम के लिए आवश्यक हैं तथा जो पदों के अनुमोदन हैं, ऐसी समितियों का गठन कर सकते हैं।

परीक्षण, अध्यादेश

और वन्य 31.

& वन्य परीक्षण:-

(1) इस अधिनियम के अधिनियम तथा इसके अंतर्गत बनाये गए अधिनियम के अनुकूल पहला पद अधिनियम निकायों में सभी या निकायों के निकायों करेगा, यथा- (क) वृत्त संयोजन के अधिकार और अर्थ निकाय के लिए समय-समय पर

गठन, शि०तय० और काय० का 4नधा०रण;
 (ख) कुला०धप०त, कुलप०त क०= 4नयु०ि०त क०= शत० और उनक०= शि०तय० तथा
 अ०धकार० का 4नधा०रण;
 (ग) कुलस०चव और मु०य 2व०त तथा लेखा पदा०धकार० क०= 4नयु०ि०त क०= Coया
 और शत० तथा उनक०= शि०तय० और काय० का 4नधा०रण;
 (घ) अ०य अ०धका०रय० तथा शा०क० क०= 4नयु०ि०त क०= प०क०त और शत० तथा
 शि०तय० और काय० का 4नधा०रण;

(ङ)

2वव०व्यालय के क०मा०चा०रय० क०= सेवा-शत० का 4नधा०रण; (च) क०मा०चा०रय० अथवा
 2वया०थ०य० और 2वव०व्यालय के बीच Cकसी कार के 2ववाद क०= ि०ग०थ०त म०
 मा०य०ग०थ०ता क०= Coया का 4नधा०रण;

(छ) मानद उपा०ध्याँ दान करना;

(ज) 2वया०थ०य० के शा०ण शु०मक क०= अदायगी म० छूट और छा०वृ०ति तथा
 फेलोशप दान करने क०= Coया का 4नधा०रण;

(झ) सीट० के आ०रा०ण के 4नय०म स०हत वेश क०= नी०त का 4नधा०रण; तथा

(ञ) 2वया०थ०य० से लया जाने वाला शु०मक ।

(2) 2वव०व्यालय का पहला प०र०नय०म शासी 4नकाय वारा बनाया जाएगा और
 Gवीकृ०त हेतु रा०य सरकार को सम०प०त Cकया जाएगा ।

(3) 2वव०व्यालय वारा सम०प०त Cकए गए पहले प०र०नय०म पर रा०य सरकार 2वचार
 करेगी और यथासंभव इसक०= ा०ि०त के साठ 8दन० के भीतर इसक०= Gवीकृ०त, संशोधन०
 अथवा Oबना संशोधन के जैसा वह आवयक समझे, देगी ।

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 17

(4) रा०य सरकार वारा Gवीकृत पहले प०र०नय०म पर 2वव०व्यालय अपनी सहम०त
 से०षत करेगा, अथवा रा०य सरकार वारा उप धारा-3 के अंतग०त Cकये गये Cकसी
 संशोधन या सभी संशोधन० को नह०रं लागू करने पर कारण बतायेगा । रा०य सरकार
 2वव०व्यालय के सुझाव० को मा०य० या अमा०य कर सकती है ।

(5) रा०य सरकार ने पहले प०र०नय०म को ि०जस Xप म० अंततः Gवीकार Cकया है उसे
 शासक०=य राजप० म० काशत करेगी और यह काशन क०= 4त०थ से लागू माना जाएगा ।

32. परवत० प०र०नय०म:-

(1) इस अ०ध०नय०म और इसके बाद बनाये गये 4नय०म, 2वव०व्यालय के परवत०
 प०र०नय०म म० 4न,नल०खत सभी या Cकसी एक के बारे म० ि०यव०ग०था दे सकता है, यथा-

(क) 2वव०व्यालय के नये ा०धकार० का सृजन;

(ख)

लेखा नी०त और 2व०तीय Coया;
 4त०न०ध०व;

(ग) 2वव०व्यालय० के ०धकार० म० शा०क० का

(घ) नए 2वभाग० का 4नमा०ण और वत०मान 2वभाग० का उ०मूलन अथवा

पुन०ग०ठन; (ङ) पदक० और पुर०ग०कार० का 4नधा०रण;

(च)

पद० के 4नमा०ण और 2वल०पन क०= Coया;

(छ) शु०मक० का पुन०रा०ण;

(ज) 2वभ०न 2वषय० म० सीट० क०= सं०या म० बदलाव तथा

(झ) अ०य सभी मामल० का प०र०नय०म वारा 4नधा०रण, जो इस अ०ध०नय०म म०

व०ण०त ावधान के अंतग०त आवयक ह०म ।

- (2) पहले प८र4नयम से इतर 2वव2व्यालय के प८र4नयमM का 4नमाAण शासी 4नकाय सहम4त से बंधन बोडA वारा Cकया जाएगा ।
- (3) उप धारा (2) के अंतगAत 4नमाAत प८र4नयम को रा7य सरकार के समa Gतुत Cकया जाएगा, िजसे वह Gवीकृत करेगी अथवा य8द आवयक समझे तो कुछ संशोधन के लए परामशा, प८र4नयम क= ित क= 4त0थ से यथासंभव दो महरने के भीतर देगी ।

(4)

रा7य सरकार वारा सुझाये गये संशोधनM पर शासी 4नकाय 2वचार करेगा और प८र4नयमM मF Cकये गये प८रवतAन के 4त सहम4त अथवा रा7य सरकार वारा सुझाये संशोधनM पर 8टपणी के साथ उसे वापस कर देगा ।

(5) रा7य सरकार शासी 4नकाय वारा क= गयी 8टप5णयM पर 2वचार करेगी तथा प८र4नयमM को Oबना संशोधन अथवा संशोधनM के साथ Gवीकृत करेगी और इसे शासक=य राजप_ मF काशत करायेगी जो काशन क= 4त0थ से भावी होगा । 33.

&थम अEयादेश:- (1) इस अ0ध4नयम के ावधानM के अधीन 4नमाAत 4नयमM, प८र4नयमM के तहत, थम अायादेश सभी मामले या 4न,नल5खत मF से कोई एक अथवा सभी क= णयवGथा कर सकता है, यथा-

(क) 2वव2व्यालय मF 2वया0थAयM का वेश और इस Xप मF नामांकन;

(ख)

2वव2व्यालय क= वड□ी, वडलोमा एवं माण प_ के लए आययन हेतु पाठयom का 4नधाAरण;

18

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,201

8

(ग) वड□ी, वडपलोमा, माण प_ और अZय अकादमक वैशq□य दान करने हेतु Zयूनतम योज्यता;

(घ) फेलोशप, छा_ वृित,वजीफा, पदक और पुरGकार हेतु शत□;

(ङ) कायाAलय के 4नयमM और परRaण 4नकाय, परRaकM तथा मायGथम क= 4नयुित के तरRके स8हत परRaाओं का संचालन;

(च) 2वभZन पाठयomM क= परRaाओं, उपा0धयM और वडलोमा के लए 2वव2व्यालय वारा लया जाने वाला शुmक;

(छ) 2वव2व्यालय के 2वया0थAयM के 4नवास क= शत□;

(ज) 2वया0थAयM के 2वXK अनुशासनािमक कारAवाई संबंधी ावधान;

(झ)

2वव2व्यालय के अकादमक जीवन क= उZन4त के लए आवयकता अनुभव

Cकये जाने पर Cकसी 4नकाय के सृजन, संयोजन और कायA पर 2वचार;

(ञ) उसच शाा के अZय 2वव2व्यालयM एवं संGथानM के साथ सहका८रता और सहयोग के तरRके;

(ट) ऐसे अZय मामले िजनक= णयवGथा अायादेश के वारा इस अ0ध4नयम के अZतगAत आवयक है;

(2) 2वव2व्यालय का थम अायादेश बंधन बोडA वारा अनुमोदन के बाद कुला0धप4त वारा बनाया जाएगा, िजसे अनुमोदन हेतु रा7य सरकार को Gतुत Cकया जाएगा ।

(3) उप धारा (2) के तहत रा7य सरकार कुला0धप4त वारा स□पे गये अायादेश पर 2वचार करेगी और जहाँ तक संभव होगा इसक= ाित के साठ 8दनM के भीतर वह इसे

Gवीकृत करेगी या इसमF संशोधन हेतु सुझाव भी देगी ।

(4)

कुला0धप4त आयादेश के संदभA मF 8दये गये संशोधन के सुझावM को शामिल करFगे अथवा रा7य सरकार वारा 8दये गये सुझावM को शामिल नहRं करने के कारण बताते हुए थम आयादेश को वापस भेजFगे, य8द कुछ हो । रा7य सरकार इसक= ाि॥त के बाद कुला0धप4त क= 8ट॥पणी पर 2वचार करेगी और संशोधन के साथ या Oबना Cकसी संशोधन के 2वव2वयालय के थम आयादेश को रा7य सरकार शासक=य राजप_ मF काशत करेगी, और यह काशन क= 4त0थ से भावी होगा ।

34. परवत| अEयादेश:-

- (1) थम आयादेशM के अलावा अZY सभी आयादेश अकादमक प८रषद वारा बनाये जाएँगे जो शासी 4नकाय वारा अनुमो8दत Cकये जाने के बाद रा7य सरकार के समa अनुमोदन हेतु Gतुत Cकये जाएँगे ।
- (2) उपधारा (1) के तहत अकादमक प८रष वारा स॥पे गये आयादेश पर जहाँ तक संभव हो रा7य सरकार इसक= ाि॥त के दो माह के भीतर 2वचार करेगी और इसे Gवीकृत कर सकती है या इसमF संशोधन हेतु सुझाव दे सकेगी ।
- (3) अकादमक प८रष या तो रा7य सरकार के सुझावM के अनुXप आयादेशM को संशो0धत करेगी या सुझावM को रा7य सरकार को पुनः उसे वापस स॥पेगी, य8द कोई हो । रा7य सरकार अकादमक प८रष क= 8ट॥पणी पर 2वचार करेगी और आयादेशM को संशोधन

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 19

के साथ या Oबना संशोधन के शासक=य राजप_ मF काशत करेगी, और यह काशन क= 4त0थ से भावी हो जाएगा ।

35. व#नयम:-

ऐसे iयेक ा0धकार और ऐसे ा0धकार वारा बनायी गयी सम4तयM के लिए शासी 4नकाय क= पूवA Gवीकृत से 2वव2वयालय के ा0धकारR इस अ0ध4नयम के अनुकूल 4नयम, प८र4नयमM और आयादेशM के संगत 2व4नयम बना सकF गे ।

36.

#नद^श देने के रा_य सरकार के अधिकार:- (1) शाण के Gतर, परRaा और शोध तथा 2वव2वयालय से संबंK Cकसी अZY मामले मF रा7य सरकार ऐसे लोगM, िजZहF वह उपयुTत समझती है, के वारा मूmयांकन करा सकेगी ।

(2) ऐसे मूmयांकन के आधार पर सुधार के लिए रा7य सरकार अपनी अनुशंसाएँ 2वव2वयालय को सेि2षत करेगी । 2वव2वयालय ऐसे सुधारािमक उपाय और यान करेगा ताCक इन अनुशंसाओं का अनुपालन सु4निचत Cकया जा सके ।

(3) य8द 2वव2वयालय उपधारा (2) के अंतगAत रा7य सरकार वारा क= गयी अनुशंसा का पालन करने मF उ0चत समयाव0ध मF 2वफल रहता है तो रा7य सरकार उसे ऐसा 4नदwश दे सकेगी जैसा वह उपयुTत समझे । रा7य सरकार वारा 8दये गये 4नदwशM का अनुपालन 2वव2वयालय अ2वलंब करेगा ।

व वव!यालय क4 #नधयाँ 37. 'थायी #नध:-

- (1) उद्देय-प_ मF 4न8दAqट राश के साथ वतAक 4नकाय 2वव2वयालय के लिए एक Gथायी कोष क= Gथापना करेगा ।
- (2) 2वव2वयालय के इस अ0ध4नयम का अनुपालन तथा अ0ध4नयम, प८र4नयम तथा आयादेशM के अनुसार संचालन को सु4निचत करने हेतु Gथायी 4न0ध का उपयोग

जमानत जमा राश के Xप मF होगा । य8द 2वव2वयालय अथवा वतAक 4नकाय इन अ0ध4नयम, पcr4नयमM और अयादेशM के अनुकूल ावधानM का अनुपालन नहRं करता है तब रा7य सरकार को यह पूरR राश अथवा इसका एक 8हGसा/अंश ज□त कर लेने का अ0धकार होगा ।

- (3) 2वव2वयालय इस Gथायी कोष से हुई आमदनी का उपयोग 2वव2वयालय के आधारभूत ढाँचे के 2वकास के लिए कर सकेगा, 2वव2वयालय के 8दनानु8दन □यय के लिए नहRं ।
- (4) 2वव2वयालय के 2वघटन तक Gथायी कोष क= राश ऐसे साधनM मF 4नवेशत क= जाएगी जैसा सरकार वारा 4नवेश हेतु 4नदwशत Cकया जाएगा ।
- (5) दRघाAव0ध क= 4तभू4त क= िGथ4त मF, 4तभू4तयM का माण-प_ सरकार के सुरात संरण मF रखा जाएगा और □यिातगत जमा खातM के □याज को सरकारR खजाने मF जमा Cकया जाएगा । शीतA यह है Cक सरकार के आदेश के Obना यह राश 4नकालR नहRं जा सकेगी ।

20

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,201

8

38. सामाWय #नध:-

- (1) 2वव2वयालय एक कोष क= Gथापना करेगा, िजसे सामाZय कोष कहा जाएगा, िजसमF 4न,नांCकत राशयाँ जमा हMगी:
 - (क) 2वव2वयालय वारा ात शण एवं अZय शुमक;
 - (ख) वतAक 4नकाय वारा दात कोई भी राश; (ग) अपने ल□य-स2K के om मF 2वव2वयालय के Cकसी भी उपom, यथा-परामशा आ8द से ात कोई भी राश;
 - (घ) ZयासM, वसीयतM, दान, वृितदान और Cकसी भी अZय कार का अनुदानतथा (ङ) 2वव2वयालय वारा ात अZय सारR धनराश ।
- (2) सामाZय कोष का उपयोग 4न,नल5खत मदM मF Cकया जाएगा, यथा -
 - (क) इस अ0ध4नयम और पcr4नयमM, अयादेशM और शासी 4नकाय क= पूवA Gवीकृत के साथ 2वव2वयालय वारा लये गये ऋण तथा उसके □याज के भुगतान हेतु;
 - (ख) 2वव2वयालय क= पcrसंप4तयM के रख-रखाव हेतु;
 - (ग) धारा 37 एवं 38 के अंतगAत 2व4नमात 4न0धयM के लेखा-परRaण के लिए भुगतान Cकया गया शुमक;
 - (घ) 2वव2वयालय के पा अथवा 2वपा मF दायर वादM पर हुए खचा के 4नqपादन हेतु ;
 - (ङ) अ0धकाcrयM, कमAचाcrयM, शाकM एवं शोध-अ0धकाcrयM के वेतन, भाते, भ2वqय- 4न0ध अंशदान, ाैस्यूटर और अZय सु2वधाओं के भुगतान हेतु;
 - (च) शासी 4नकाय, कायAकारR पcrषद, अकादमक पcrषद और अZय ा0धकारM तथा वतAक 4नकाय के आय़ा अथवा Cकसी साम अ0धकारR वारा Cकये गये या_ा- □यय एवं अZय भाितM के भुगतान हेतु;
 - (छ) फेलोशप, 4न:शुमक शण, छा_वृितयM, असGटFटशप तथा समाज के कमजोर आ0थAक वगा के छा_M को 8दये गये पुरGकारM और शोध सहायकM, शाओ अथवा जैसी िGथ4त हो अ0ध4नयमM, पcr4नयमM और 4नयमM के

अनुकूल Cकसी भी अहAता ात 2वयाथ~ के भुगतान हेतु;
 (ज) अ0ध4नयम के ावधानM, प०र4नयमM, अयादेशM, 2व4नयमM के
 अनुपालन M 2वव2वयालय वारा णय क= गयी Cकसी भी राश के भुगतान हेतु;
 (झ) वतAक 4नकाय वारा 2वव2वयालय क= Gथापना और इस संदभा M Cकये
 गये 4नवेशM क= मूल लागत, जो समय-समय पर भारतीय Gटेक बक के ऋण दान
 क= दर से अ0धक नहरं हो, के भुगतान के लिए ।

(ञ)

इस अ0ध4नयम के प०र4नयमM, 4नयमM, अयादेशM के पालन M 2वव2वयालय
 वारा Cकये गये णय के भुगतान हेतु;
 (ट) Cकसी संGथान वारा 2वशेष सेवा देने के दा4याव, 2वव2वयालय को बंधन-
 सेवा सहित शासी 4नकाय वारा 2वव2वयालय के लिए Gवीकृत ऐसे णयM
 अथवा संबंध अZय काय के भुगतान हेतु;

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 21

बशतw Cक कुल आवत~ णय और उस वषA के लिए 4नधाAरत
 अनावत~ णय जैसा शासी 4नकाय वारा 4निचत Cकया गया है, से अ0धक
 णय बना शासी 4नकाय क= पूवA Gवीकृत के नहरं Cकया जा सकेगा
 ।

लेखा, अंके-ण एवं वाषक & तवेदन

39. वाषक & तवेदन:-

2वव2वयालय का वा2षAक 4तवेदन 2वव2वयालय वारा तैयार Cकया जाएगा िजसM
 अZय मामलM समेत, 2वव2वयालय वारा उणयM क= पू4तA के लिए उठाये गये कदम शामिल
 हMगे और इसे रा7य सरकार को सपा जाएगा ।

40. अंके-ण एवं वाषक & तवेदन:-

- (1) 2वव2वयालय का वा2षAक लेखा बकलेस शीट सहित 2वव2वयालय वारा तैयार Cकया
 जाएगा और वा2षAक लेखा का अंकेण वषA M कम से कम एक बार 2वव2वयालय
 वारा इस उणय से 4नयुत अंकेकM वारा कराया जाएगा ।
- (2) वा2षAक लेखा क= एक 4त अंकेण 4तवेदन के साथ रा7य सरकार को Gतुत करनी होगी ।

व वव!यालय को समेटना

41. व वव!यालय का समापन:-

- (1) य8द वतAक 4नकाय 2व0थ स,मतदंग से इसके गठन तथा 4नगमीकरण के ावधानM
 के अZतगत Gवयं को भंग करना चाहे तो इसक= सूचना कम से कम छह महरने पहले
 रा7य सरकार को देनी होगी ।

2)

रा7य सरकार ऐसी सूचना (भंग करने संबंधी) ात करने के पचात्, जैसी आवयकता
 होगी उसके अनु प भंग Cकये जाने क= 4त0थ से 2वव2वयालय के शासन क=
 णयGथा वतAक 4नकाय के 2वघटन के बाद आ5खरR स के 2वया0थAYM, जो
 2वव2वयालय M नामांकित हk, के पानयom पूरा होने तक करेगी और सरकार वतAक
 4नकाय के Gथान पर 2वव2वयालय के संचालन के लिए एक शासक क= 4नयुित
 कर सकेगी, िजसे वतAक 4नकाय के अ0धकार, कतAण और कायA सपे जाएँगे, जैसा
 इस अ0ध4नयम M व5णAत है ।

42.

व वव!यालय का वघटन:- (क) वतAक 4नकाय य8द 2वव2वयालय को भंग करने क=

इसका रखता है, तो उसे रा7य सरकार को एत-संबंधी सूचना 4नधाAरत तरRके से देनी होगी । रा7य सरकार वारा यथो0चत 2वचार के पचात् 4नधाAरत तरRके से 2वव2वयालय को 2वघ8टत Cकया जा सकेगा ।

बशाितw Cक 2वव2वयालय का 2वघटन तभी भावी होगा जब तक Cक 4नयमत पान्यom के 2वया0थAYM का आ5खरR स_ अपना पान्यom पूरा नहरं कर लेता है और उन सबको vड□ी (उपा0ध), vडखलोमा अथवा िजस तरह के 2वषय हM, ात हो जाएँ । (ख) जैसा Cक तरRका 4नधाAरत हो 2वव2वयालय का 2वघटन होने पर उसक= सभी संप4तयाँ और देनदाकरयाँ वतAक 4नकाय मF 4न8हत हMगी ।

22

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,201

8

(ग) उप-धारा (1) के तहत रा7य सरकार य8द 2वव2वयालय को 2वघ8टत करने का 4नणAY लेती है, तो 2व8हत तरRके से समान उ□ेय वालR सोसाइ8टयM मF 2वव2वयालय के 2वघटन तक उप-धारा (1) के ावधानM के तहत इसके शासी 4नकाय क= शिटतयाँ 4न8हत कर सकेगी ।

43. विशेष परि'थ#तयR म\ रा_य सरकार क4 व)शाbट शिमतयाँ:-

- (1) रा7य सरकार क= य8द यह राय है Cक 2वव2वयालय ने अ0ध4नयमM, 4नयमM, पकर4नयमM अथवा आयादेशM मF से Cकसी का उमलंघन Cकया है और 2वाितीय कुबंधन अथवा कु-शासन क= िGथ4त 2वव2वयालय मF उापZन हो गयी है, तो वह 2वव2वयालय को कारण बताओ सूचना जारR कर पkतालRस 8दनM के भीतर इस आशय का उातर मांगेगी Cक TयM नहरं एक शासक क= 4नयुित कर दर जाय ।
- (2) 2वव2वयालय वारा उपधारा (1) के अंतगAत दर गयी सूचना पर 8दये गये उातर से य8द रा7य सरकार संतुqट है Cक इस अ0ध4नयम, 4नयमM, पकर4नयमM और आयादेशM के Cकसी भी ावधान का थम □qटया उमलंघन हुआ है अथवा इस अ0ध4नयम के वारा 8दये गये 4नदwशM के 4तकूल 2वाितीय कुबंधन अथवा कु-शासन है तो वह ऐसी जाँच करायेगी, िजसे वह आवयक समझे ।
- (3) उप-धारा (2) के तहत रा7य सरकार ऐसी Cकसी जाँच के उ□ेय से जाँच-अ0धकारR या अ0धकाकरयM को 4नयुित करेगी, जो Cकसी भी आरोप पर अपना 4तवेदन Gतुत करFगे। (4) उप-धारा (3) के अंतगAत 4नयुित जाँच अ0धकारR या अ0धकाकरयM के पास वहर शिटतयाँ हMगी जो दरवानी अदालत वारा दरवानी वाद के मामलM क= सुनवाई के दौरान दरवानी Coया सं8हता, 1908 मF दाित हk, यथा-
 - (a) Cकसी □यित को बुलाने और उसक= हािजरR को अ4नवायA करने और शपथ 8दलाकर उनक= जाँच करना;
 - (b) माण के लए आवयक खोज और ऐसे दGतावेज या दूसरR अZय साम□ी Gतुत करने का 4नदwश देना;
 - (c) Cकसी भी अदालत या कायाAलय से कोई दGतावेज मंगाना ।
- (5) उप-धारा (3) के अंतगAत 4नयुित अ0धकारR या अ0धकाकरयM क= जाँच करपोटा ात होने के बाद य8द रा7य सरकार संतुqट है Cक 2वव2वयालय ने इस अ0ध4नयम के ावधान के सभी अथवा Cकसी ावधान का उमलंघन Cकया है, 4नयमM, पकर4नयमM अथवा आयादेशM का उमलंघन Cकया है अथवा सरकार वारा दाित 4नदwशM का उमलंघन Cकया है या 2वाितीय कु-बंधन और कुशासन क= िGथ4त

2वव2वयालय मF ऐसी हो गयी है
गया हो, तो सरकार एक शासक

Cक उसके अकादमक Gतर पर न-0चन खड़ा हो
4नयुT कर सकती है ।

(6) उप-धारा (5) के अंतगAत 4नयुTत शासक इस अ0ध4नयम के तहत बनाये गये
शासी 4नकाय अथवा बंधन बोडा के सारे कतA□यM का 4नवAहन करेगा और तब तक
2वव2वयालय क= ग4त2व0धयM का संचालन करेगा जब तक 4नयमत पानयोम के
2वया0थAयM का आ5खरR स_ अपना पानयोम पूरा नहरं कर लेता और उZहF
वड0□याँ या वडलोमा न दे दर जायँ ।

झारखडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 23

(7) आ5खरR स_ को वड0□याँ या वडलोमा या जैसी िGथ4त हो, के दान के बाद शासक
इस आशय क= रपोटा रा7य सरकार को देगा ।

(8) उप-धारा (7) के अंतगAत रपोटा ात होने पर रा7य सरकार 2वव2वयालय को
2वघ8टत कर देगी और 2वव2वयालय के 2वघटन के बाद इसक= सारR पेरसंपितयाँ
और देनदारयाँ वतAक 4नकाय मF 4न8हत हो जाएंगी ।

अWयाWय

44. #नयम बनाने के)लए रा_य सरकार क4 शिमत:-

- (1) इस अ0ध4नयम के उ□ेयM के 4नवAहन के लिए शासक=य राजप_ मF अ0धसूचना
जारR करके रा7य सरकार 4नयम बनाएगी ।
- (2) रा7य 2वधानमंडल के समा इस धारा के अंतगAत बनाये गये सारे 4नयमM को कम से
कम 30 8दनM के लिए रखा जाएगा और रा7य 2वधानमंडल को यह अ0धकार होगा
Cक वह इसका 4नरसन कर दे अथवा अपेात पेरवतAन कर दे अथवा ऐसे पेरवतAन
िजसे 2वधानमंडल के उसी स_ मF या उसके ठ□क बाद वाले स_ मF Cकया गया हो ।

45. व!याथKयR के पालयतम का समापन:-

इस अ0ध4नयम अथवा पेर4नयम मF Cकसी बात के होते हुए भी अंगीभूत
महा2वयालयM अथवा 2वव2वयालय क= अनुसूची मF 2व4न8दAqट इस अ0ध4नयम के लागू
होने के तुरत पहले कोई भी आयनरत 2वयाथ~ या जो इस 2वव2वयालय क= Cकसी परRaा
मF सि,मलत होने का अ0धकारR था उसे अपना पानयोम पूरा करने क= अनुम4त दर जाएगी
और ऐसे 2वया0थAयM के शाण, शाण और परRaा क= िज,मेदारR संबK 2वव2वयालय
पर तब तक होगी जैसा 4न8दAqट Cकया गया हो ।

46. कठनाइयR को दूर करने क4 शिमत:-

- (1) य8द इस अ0ध4नयम के Cकसी ावधान को लागू करने मF क8ठनाई उपिGथत हो
रहर हो तो शासक=य राजप_ मF काशत आदेश के वारा रा7य सरकार इस अ0ध4नयम
के ावधानM को यान मF रखते हुए क8ठनाइयM को शीऽ दूर करने के लिए आवयक
कदम उठायेगी ।

बशितw इस अ0ध4नयम के ारंभ के तीन वषत के बाद उप धारा (1) के अंतगAत ऐसा
कोई आदेश पारत नहरं Cकया जाएगा ।

- (2) इस अ0ध4नयम के अंतगAत पारत ियेक आदेश को अ2वलंब रा7य 2वधानमंडल के
समा रखा जाएगा ।

अनुसूची - ए (A)

- (1) एकल भाव-अ_ के लए मु\$य पकरसर मF कम से कम 10 एकड़ जमीन उपलब्ध कराना होगा और बहु भाव अ_ के लए 25 एकड़, जो Cक 2वव2वयालय क= Gथापना के दो वषत के अZदर करना होगा। एक=कृत कk पस मF ेaागृह, कैफेटेरया, छा_ावास इया8द ऐसी सु2वधायF हो सकती हk, अतः जमीन क= आवयकता मF तदनुसार बदलाव हो सकता है।
- (2) Zयूनतम एक हजार वगA मीटर का शासक=य भवन, शैाक भवन, िजसमF पुGतकालय, िया\$यान का, योगशालाएँ हM वह अmपतम 10 हजार वगA मीटर क= हMगी, शाकM के लए पयाAत आवासीय ियवGथा, अ4त0थ गृह, छा_ावास िजसे ोमशः इतना बढ़ाया जायेगा Cक 2वया0थAयM क= कुल सं\$या का कम से कम 25 4तशत उसमF रह सके, ऐसा अिGतःव मF आने के तीन वषत के भीतर करना होगा। अगर 2वव2वयालय ियावसा4यक शाा का कायAom कराता है तो उसके लए वैधा4नक 4नकाय वारा Cकये गये मानकM तथा मानदंडM को Gवीकार करना होगा। रा7य सरकार वारा 4नधाAकरत मानकM के आधार पर 2वयमान संगथान 2वगतार/पुनXXार/पुनराचना करेगा।

झारखंड रा7यपाल के आदेश से,

संजय &साद,
धान स0चव-सह-2व0ध
परामश~
2व0ध 2वभाग,
झारखंड, राँची।

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 25

वध (वधान) वभाग

अ0धसूचना

19 सत,बर, 2018

संया-एल०जी०-21/2018-142/लेज०--झारखंड 2वधान मंडल वारा यथा पाकरत और रा7यपाल वारा 8दनांक 17सत,बर, 2018 को अनुमत नेताजी सुभाष िर्विालय अ0ध4नयम, 2018का 4न,नांCकत अंेजी अनुवाद झारखंड रा7यपाल के ा0धकार से इसके वारा काशत Cकया जाता है िजसे भारतीय सं2वधान के अनुsछेद 348 के खंड (3) के अधीन उTत अ0ध4नयम का अंेजी भाषा मF ा0धकृत पाठ समझा जाएगा।

THE NETAJI SUBHAS UNIVERSITY ACT, 2018

(JHARKHAND ACT, 11, 2018)

An Act to provide for the establishment and incorporation of the **NETAJI SUBHAS UNIVERSITY** in the State of Jharkhand, and to confer the status of a Private University thereon and for matters connected therewith and incidental thereto;

WHEREAS it is expedient to provide for the establishment and incorporation of the **NETAJI SUBHAS UNIVERSITY** at Pokhari, East Singhbhum, JAMSHEDPUR, Jharkhand promoted by Sitwanto Devi Mahila Kalyan Sansthan, Suraj Path, Baridih, East Singhbhum,

Pokhari, Jamshedpur and registered under Patna Society Registration Act, 21, 1860 (Registration No. 209/1996-97 dated 11.12.1996) and to confer the status of a Private University thereon and for the matters connected therewith and incidental thereto;

It is hereby enacted in the Sixty-Ninth year of the Republic of India, by the Legislature of Jharkhand, as follows:

1.Short Title, Extent and Commencement.

(1)This Act may be called "**THE NETAJI SUBHAS UNIVERSITY Act, 2018**".

(2)It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.

2.Definitions.

In this Act, unless the context otherwise requires:

(a) "Academic Council" means the Academic Council of the University as specified in section 24 of the Act;

(b) "Annual Report" means the Annual report of the University as referred to in section 39 of the Act;

(c) "Board of Management" means the Board of Management of the University as constituted under section 23 of the Act;

(d) "Campus" means the area of the University in which it is established;

(e) "Chancellor" means the Chancellor of the University appointed under section 12 of the Act;

झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर 2018

(f) "The Chief Finance and Accounts Officer" means the Chief Finance and Accounts Officer" of the University appointed under section 18 of the Act;

(g) "Controller of Examinations" means the Controller of Examinations of the University appointed under section 19 of the Act;

(h) "Constituent College" means a college or an institution maintained by the University;

(i) "Employee" means employee appointed by the University; and includes teachers and others staff of the University or of a constituent college;

(j) "Endowment fund" means the endowment fund of the University established under section 37 of the Act;

(k) "Faculty" means group of academic departments of similar disciplines;

(l) "Fee" means collection made by the University from the students for the purpose of any course of study and incidental thereto, in the University;

(m) "General Fund" means the General fund of the University established under section 38 of the Act;

(n) "Governing Body" means the Governing Body of the University constituted under section 22 of the Act;

(o) "National Assessment and Accreditation Council" means National Assessment and Accreditation Council, Bengaluru, an autonomous institution of the University Grants Commission;

(p) "Prescribed" means prescribed by the Statutes and the rules made under this Act;

(q) "Pro-Vice-Chancellor" means the Pro-Vice-Chancellor of the University appointed under section 15 of the Act;

(r) "Registrar" means the Registrar of the University appointed under section 17 of the Act;

- (s) "Regulatory Body" means a body established by the Government of India for laying down norms and conditions for ensuring academic standards of higher education, such as University Grants Commission, All India Council for Technical Education, National Council for Teacher Education, Medical Council of India, Bar Council of India, Pharmacy Council of India, National Assessment and Accreditation Council, Indian Nursing Council, Indian Council of Agriculture Research, Council of Scientific and Industrial Research, etc. and includes the Government or any such body constituted by the Government of India or the State Government;
- (t) "Rules" means the rule of the University made under this Act;
- (u) "Schedule" means schedule appended to this Act;
- (v) "Sponsoring Body" in relation to the University means (i) a society registered under Societies Registration Act 1860, or (ii) a public trust registered under Indian Trust Act 1882, or (iii) a society or trust registered under the law of any other State;
- (w) "State Government" means the State Government of Jharkhand;
- (x) "Statutes", "Ordinances", and "Regulations" mean respectively, the Statutes, Ordinances and Regulations of the University made under this Act;
- (y) "Student of the University" means a person enrolled in the University for taking a course of study for a degree, diploma, or other academic distinction duly instituted by the University, including a research degree;

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018 27

- (z) "Teacher" means a Professor, Associate Professor, Assistant Professor or such of the other person as may be appointed for imparting instruction or conducting research in the University or in a Constituent College or Institution and includes the Principal of a Constituent College or institution, in conformity with the norms prescribed by the University Grants Commission;
- (aa) "University Grants Commission" means the University Grants Commission established under the University Grants Commission Act, 1956;
- (ab) "University" means the **NETAJI SUBHAS UNIVERSITY**, Jharkhand established under this Act.
- (ac) "Vice-Chancellor" means the Vice-Chancellor of the University appointed under section 13 of the Act;
- (ad) "Visitor" means the Visitor of the University referred to in section 10 of the Act.

3. Establishment of University.

- (1) There shall be establishment of the University by the name '**NETAJI SUBHAS UNIVERSITY**'
- (2) The headquarters of the University shall be within the State of Jharkhand and shall be situated at Pokhari, East Singhbhum, Jamshedpur, Jamshedpur.
- (3) The University shall start operation only after the State Government issues the letter of authorization.
- (4) The university shall meet the conditions mentioned in the schedule A of the Act within the stipulated time.

(5) The Governing Body, the Board of Management, the Academic Council, the Chancellor, the Vice Chancellor, the Pro Vice Chancellor, the Registrar, the Teachers, the Chief Finance and Accounts Officer and such other officers or members or authorities so long as they continue to hold such office or membership of the University hereby constitute a body corporate by the name of the University.

(6) The University shall function as non-affiliating University and they shall not affiliate any other college or institute for the conferment of degree, diploma and for grant of certificate to the students admitted therein.

(7) The constituent colleges and institutions of the Sponsoring Body affiliated to and enjoying the privileges of any University immediately before the commencement of this Act shall cease to be affiliated from that University and shall be deemed to be withdrawn from such privileges from the date of commencement of this Act and shall be deemed to be admitted to the privileges of **NETAJI SUBHAS UNIVERSITY**. University of the Sponsoring Body and all such colleges and institutions shall be the constituent colleges and institutions of **NETAJI SUBHAS UNIVERSITY**.

(8) The University shall be a body corporate by the name '**NETAJI SUBHAS UNIVERSITY**' and will have perpetual succession and common seal with power, subject to the provisions of this Act, to acquire and hold property, to contract and shall, by the said name, sue or be sued.

(9) The University shall not receive any grant-in-aid or other financial assistance from the State Government or the Central Government.

Provided that, the State Government or the Central Government may provide financial support, including through grants or otherwise

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर 2018

- (a)for research, development and other activities for which other State Government organizations are provided financial assistance, or
- (b)for any specific research or programme based activity.

4. **Properties of the University and its Application.**

(1) On the establishment of the University the land and other movable and immovable properties acquired, created, arranged, or built by the University for the purpose of the University in the State of Jharkhand shall vest in the University.

(2) The land, building and other properties acquired for the University shall not be used for any purpose other than that for which the same is acquired.

(3) The properties, movable or immovable, of the University shall be administered by the Governing Body in such manner as may be provided for by the regulations.

(4) The properties in the name of the University under sub-section (1) shall be applied for meeting the liabilities of the university in the event of dissolution or winding up of the University in such manner as may be prescribed in the rules.

5. **Restrictions and obligations of the University.**

(1) The tuition fees for professional courses such as Engineering & Technology, Medicine, Management, etc., in the University shall be

determined by the University under the supervision of the regulatory body notified by the State Government from time to time.

(2) Admission in the University shall be strictly on the basis of merit. Merit for admission in the University may be determined either on the basis of marks or grade obtained in the qualifying examination and achievements in co-curricular and extra-curricular activities or on the basis of marks or grade obtained in the entrance test conducted at State level either by the University or an association of the Universities conducting similar courses or by any agency of the State Government.

Provided that the admission in professional educational colleges or institutions of the University shall be governed under the provisions of the Regulatory Bodies.

(3) The University shall allow merit scholarship to at least five percent of the total strength, to the students belonging to poor and economically backward classes. The relevant criteria for determining the poor and economically backward classes shall be such as may be determined by the State Government from time to time.

(4) The University shall compulsorily make provisions for reservation of seats for the students domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least twenty five percent of the total students in the university. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.

(5) The university shall make provisions for reservation of non-teaching posts in the university for the persons domiciled in the State of Jharkhand to the extent of at least fifty percent of the total number of non-teaching posts of the University. The reservation of seats shall be regulated by the laws and orders of the State Government from time to time.

(6) The University shall appoint adequate number of teachers and officers in the University for maintaining the academic standards specified and shall ensure that the qualifications of such teachers or officers of the university shall not be lower than prescribed by the relevant Regulatory Bodies.

(7) The University shall compulsorily place in the public domain every information in relation to the University which would be of interest to the students and other stakeholders *inter alia*, including the courses offered, number of seats under different

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 29

categories, fees and other charges, facilities and amenities offered, faculty in place and such other relevant information.

(8) The Convocations of the University may, for conferring degrees, diplomas or for any other purpose, be held in every academic year in the manner as may be prescribed by the Statutes.

(9) The University shall obtain accreditation from the National Council of Assessment and Accreditation (NAAC) within five years of its establishment and such other regulating bodies of Government of India which are connected with the courses taken up by the University and inform the State Government about the grade provided to the University. The University shall get renewed such accreditation from time to time.

(10) Notwithstanding anything contained in this Act, the University shall be bound to comply the conditions mentioned in Schedule A of this Act, and all the rules, regulations, norms, etc. of the regulating bodies of Government of India and State Government and provide all such facilities and assistance to such bodies as are required by them to discharge their duties and carry out their functions.

6. Objects of the University.

The objects of the University shall be to disseminate and advance knowledge and skill by providing instructional, research and extension of facilities and in such branches of learning as it may deem fit and the University shall endeavour to provide to students and teachers the necessary atmosphere and facilities for the promotion of:

- (a) Innovations in education leading to restructuring of courses, new methods of teaching, training, and learning including online learning, blended learning, continuing education and such other modes and integrated and wholesome development of personality;
- (b) Studies in various disciplines;
- (c) Inter disciplinary studies;
- (d) National integration, secularism and social equity and International understanding and ethics.

7. University open to all irrespective of sex, religion, class, colour, creed, or opinion.

No person shall be discriminated against or be excluded from any office of the University or from membership of any of its authorities or from admission to any course of study leading to a degree, diploma or other academic distinction on the grounds of sex, race, creed, class, caste, place of birth and religious belief or political or other opinion.

8. Powers and functions of the University.

- (i) To administer and manage the University, establish, administer and manage its constituent colleges and centres for research, education, training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning at its campus within the State of Jharkhand;
- (ii) To provide for research, higher education, professional education, teaching training, extension and outreach including continuing education, distance learning and e-learning in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other fields;
- (iii) To conduct innovative experiments in educational technologies, teaching and learning methods, to collaborate with national and international institutions and to offer joint programmes with such institutes to constantly improve the delivery of education and to achieve international standards of education;
- (iv) To prescribe courses, curricula and methodologies including electronic and distance learning and provide for flexibility in the delivery of education.
- (v) To hold examination and confer degree, diploma or grant certificate and other academic distinctions or title on persons subject to such condition as the University may

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018

determine and to withdraw or cancel any such degree, diploma or certificates and other academic distinction or titles in the manner prescribed by the

Regulations;

- (vi) to institute and award Fellowships, Scholarships, Medals and Prizes;
- (vii) to confer honorary degrees or other distinction on the manner prescribed by the Statutes; (viii) to establish schools, centres, institutes, college and conduct the programme and courses of study as are in the opinion of the University, necessary for the furtherance of its objects;
- (ix) To declare as a constituent college any college, centre, institution imparting education as are in the opinion on the University necessary for the furtherance of its objects or to establish a new constituent college, centre, institution for the purpose;
- (x) To provide for printing, publication and reproduction of research, educational material and other works and to organize exhibitions, conferences, workshops and seminars; (xi) To establish knowledge resource centre;
- (xii) To sponsor and undertake research and educational programmes in the fields of science, technology, humanities, social sciences, education, management, commerce, law, pharmacy, healthcare and any other allied areas;
- (xiii) To collaborate or associate with any educational institution with like or similar objects; (xiv) To establish campuses including virtual campus for the purpose of achieving the objectives of the University;
- (xv) To undertake research and to obtain registration in respect of such research in the nature of patents, design rights and such or similar rights with the competent authorities; (xvi) To maintain linkages and collaborate with educational or other institutions in any part of the world having objects wholly or partially similar to those of the University, through exchange of students, researchers, faculty and staff and generally in such manner as may be conducive to their common objects;
- (xvii) To render services of research, training, consultancy and such other services as required for the purposes of the University;
- (xviii) To develop and maintain relationships with faculty, researchers, administrators and domain experts in science, technology, humanities, social sciences, education, management, law, commerce, pharmacy, healthcare and allied area for achieving the objects of the University;
- (xix) to make special arrangement in respect to women and other disadvantaged students as the University may consider desirable;
- (xx) To regulate the expenditure and to manage the finances and to maintain the accounts of the University;
- (xxi) To receive funds, movable and immovable properties, equipments, software and other resources from business, industry, other sections of society, national and international organization or any other source by transfers or as gifts, donations, benefactions or bequests for the purposes and objects of the University;
- (xxii) To establish, maintain and manage halls, hostels for students and quarters for the residence of faculty and staff;
- (xxiii) To construct, manage and maintain centres, complexes, auditorium, buildings, stadium for the advancement of sports, cultural, co-curricular and extra-curricular activities; (xxiv) To supervise and control the residence and regulate the discipline of students, faculty and staff of the University and to make arrangements for promoting their health, general welfare, social and cultural activities;

(xxv) To fix, demand and receive or recover fees and such other charges as may be prescribed by the Statutes;

(xxvi) To institute and award fellowships, scholarships, prizes, medals and other awards; (xxvii) To purchase or to take on lease or accept as gifts, bequests, legacies or otherwise any land or building or works which may be necessary or convenient for the purpose of the University and on such terms and conditions as it may think fit and proper and to construct or alter and maintain any such building or works;

(xxviii) To sell, exchange, lease or otherwise dispose of all or any portion of the properties of

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 31

the University, movable or immovable, on such terms as it may think fit and consistent with the interest, activities and objects of the University;

(xxix) To draw and accept, to make and endorse, to discount and negotiate promissory notes, bills of exchange, cheques and other negotiable instruments;

(xxx) To raise and borrow money on bond, mortgages, promissory notes or other obligations or securities founded or based upon all or any of the properties and assets of the University or without any securities and upon such terms and conditions as it may think fit and to pay all expenses out of the funds of the University,

9. Bar to affiliation.

(1) The University shall not admit any college or institution to the privilege of affiliation.

(2) The University may open any off campus, offshore campus, and study centre, examination centre in or out of the State of Jharkhand only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government or State or Central Government, as the case may be.

(3) Courses under Distance mode can be started only after the prior approval of University Grants Commission or such regulatory body established by the Government.

10. The Visitor.

(1) The Governor of Jharkhand will be the Visitor of the University

(2) The Visitor shall, when present, preside at the convocation of the University for Conferring Degrees, Diplomas, charters, Designation and certificates.

(3) The Visitor shall have the right to visit the University or any institution maintained by the University to ensure the standard of education, discipline, decorum and proper functioning of the university.

11. Officers of the University.

The following shall be the officers of the University:

(a) The Chancellor

(b) The Vice Chancellor

(c) The Pro Vice Chancellor

(d) Director/Principal

(e) The Registrar

(f) The Chief Finance and Accounts Officer

(g) The Controller of Examinations

- (h) The Dean of Students Welfare
- (i) The Dean of Faculty
- (j) The Proctor, and
- (k) Such other officers as may be declared by the Statute to the officers of the University.

12. The Chancellor:

- (1) The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body for a period of five years with the approval of the Visitor by following such procedures and on such terms and conditions as may be prescribed. On the expiry of the term, the Chancellor may be reappointed by the Sponsoring Body in consultation with the Visitor.
- (2) The Chancellor by virtue of his office shall be the head of the University.
- (3) The Chancellor shall preside over the meetings of the Governing Body and shall, when the Visitor is not present, preside over the convocation of the University for conferring degrees, diplomas, or other academic distinctions.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

- (4) The Chancellor may in writing under his hand addressed to the head of the sponsoring body resign his office.
- (5) The Chancellor shall have the following powers, namely:
 - (a) to call for any information or record;
 - (b) to appoint the Vice Chancellor;
 - (c) to remove the Vice Chancellor in accordance with the provisions of this Act; and
 - (d) such other powers as may be conferred on him by this Act or Statutes made thereunder.

13. The Vice Chancellor:

- (1) The Vice Chancellor shall be appointed by the Chancellor as per the qualifications prescribed by the University Grants Commission and shall hold office for a period of five years .Provided that a person appointed as Vice Chancellor shall retire from office during tenure of his office or extension thereof, if any when he completes the age of 70 years.

Provided further that after the expiry of the term of five years, the Vice Chancellor shall be eligible for re-appointment for another term of five years.

- (2) The Vice Chancellor shall be the Principal executive and Academic officer of the University and shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of various authorities of the University.
- (3) In the absence of both the Visitor and the Chancellor, the Vice Chancellor shall preside over the convocation of the University.
- (4) The Vice Chancellor may, if he/she is of the opinion that immediate action is necessary on any matter, exercise any power conferred on any authority of the University by or under this Act and shall convey to such authority the action taken by him on such matters;

Provided that if the authority of the University or any person in the service of the University who is aggrieved by the action taken by the Vice Chancellor under this sub section may prefer an appeal to the Chancellor within one month from the date of communication of such decision. The Chancellor may confirm, modify or reverse action taken by the Vice Chancellor.

- (5) The Vice Chancellor shall exercise such powers and perform such other functions as may be prescribed.

14. Removal of the Vice Chancellor.

- (1) If at any time and after such inquiry as may be considered necessary, it appears to the Chancellor that the Vice Chancellor:

- (a) has failed to discharge any duty imposed upon him by or under this Act, the Statutes, the Ordinances, or
- (b) has acted in a manner prejudicial to the interests of the University, or
- (c) is incapable of managing the affairs of the University, then the Chancellor may, notwithstanding the fact that the term of office of the Vice Chancellor has not expired, require the Vice Chancellor, by an order in writing stating the reason therefore, to resign his post from the date as may be specified in the order.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 33

- (2) No orders under sub –section (1) shall be passed unless a notice stating the specific grounds on which such action is proposed , has been served and a reasonable opportunity to show cause against the proposed order has been given to the Vice Chancellor.

15. The Pro Vice-Chancellor:

- (1) The Pro Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.
- (2) The Pro Vice-Chancellor appointed under sub section (1) shall discharge his duties in addition to his duties as a Professor.
- (3) The Pro Vice-Chancellor shall assist the Vice Chancellor in discharging his duties as and when required by the Vice Chancellor.
- (4) The Pro Vice-Chancellor shall get Honorarium of such amount as may be determined by the sponsoring body.

16. Director(s)/Principal(s):

The Director/Principal shall be appointed in such manner and shall exercise such powers and perform such functions as may be prescribed.

17. Registrar:

- (1) The Registrar shall be appointed by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner, as may be specified in the Statutes. The Registrar shall possess the qualifications prescribed by the University Grants Commission.
- (2) The Registrar shall have the power to enter into agreements, sign documents and authenticate records on behalf of the University and shall exercise such other power and perform such other functions as may be prescribed.
- (3) The Registrar shall be the ex-officio Member Secretary of the Executive Council and the Academic Council but shall not have a right to vote.

18. The Chief Finance and Accounts Officer:

- (1) The appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be made by the Chairperson of the Sponsoring Body in such manner as may be specified by the Statutes.
- (2) The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise such powers and perform such duties as may be specified by the Statutes.

19. The Controller of Examinations:

- (1) The Controller of Examinations shall be whole time officer of the University and shall be appointed by the Chancellor in accordance with the Statutes.
- (2) it shall be the duty of the Controller of Examinations:
 - (a) to conduct examinations in a disciplined and efficient manner;
 - (b) to arrange for the setting of question papers with strict regards to secrecy;
 - (c) to arrange for the evaluation of answer sheets in accordance with the planned time

schedule for results;

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

- (d) to constantly review the system of examinations in order to enhance the level of impartiality and objectivity with a view to make it better instrument for assessing the attainments of students;
- (e) to deal with any other matter connected with examinations which may, from time to time be assigned to him by the Vice Chancellor.

20. Other Officers: Manner of appointment and power and duties of the other officers of the University including the Dean of Students Welfare, Dean of faculty, and Chief Proctor shall be such as may be prescribed.

21. Authorities of the University:

The following shall be the authorities of the University:

- (a) The Governing Body
- (b) The Board of Management
- (c) The Academic Council
- (d) The Finance Committee
- (e) The Planning Board
- (f) Such other authorities as may be declared by the Statutes to be the authorities of the University.

22. The Governing Body:

- (1) The Governing Body shall have the following members, namely:
 - (a) the Chancellor;
 - (b) the Vice-Chancellor;
 - (c) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or his nominee;
 - (d) five persons nominated by the sponsoring body, out of which two shall be eminent educationists;
 - (e) one expert of management or technology from outside the University, nominated by the Chancellor; and
 - (f) one expert of finance, nominated by the Chancellor.
- (2) The Governing Body shall be the supreme authority and principal governing body of the University. It shall have the following powers, namely:
 - (a) to provide general superintendence and directions and to control the functioning

of the university by using all such powers as are provided by this Act,
Statutes,
Ordinances, Regulations or Rules;

(b) to review the decisions of other authorities of the university in case they are not

in conformity with the provisions of Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules;

(c) to approve the budget and annual report of the University;

(d) to lay down the extensive policies to be followed by the University;

झारखण्डगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 35

(e) to recommend to the sponsoring body for the dissolution of the University if a situation arises when there is no smooth functioning of the University in spite of best efforts; and

(f) such other powers as may be specified by the Statutes.

(3) The Governing Body shall meet at least three times in a calendar year.

(4) The quorum of the meeting shall be four;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/ instructions are to be taken.

23. The Board of Management.

(1) The Board of Management shall consist of the following members, namely:

(a) the Vice-Chancellor;

(b) the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand or his nominee;

(c) two members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;

(d) three persons, who are not the members of the Governing Body, nominated by the sponsoring body;

(e) three persons, from amongst the teachers, nominated by the sponsoring body;

(f) two teachers, nominated by the Vice Chancellor.

(2) The Vice Chancellor shall be the Chairperson of the Board of Management.

(3) The powers and functions of the Board of Management shall be such as may be specified by the Statutes.

(4) The quorum for the meeting of the Board of Management shall be five;

Provided that the Secretary to the Government, Department of Higher and Technical Education, Jharkhand, or in his absence, Director, Higher Education shall be

present in each meeting in which decisions on issues involving Government policies/
instructions are to be taken.

24. The Academic Council.

- (1) The Academic Council shall consist of the Vice Chancellor and such members as may be specified by the Statutes.
- (2) The Vice-Chancellor shall be the Chairperson of the Academic Council.
- (3) The Academic Council shall be the principal academic body of the university and shall, subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances, Regulations or Rules, coordinate and exercise general supervision over the academic policies of the University.
- (4) The quorum for meetings of the Academic Council shall be such as may be specified by the Statutes.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

25. The Finance Committee.

- (1) The Finance Committee shall be the principal financial body of the University to take care of the financial matters.
- (2) The constitution, powers and functions of the Finance Committee shall be such as may be prescribed

26. The Planning Board.

- (1) The Planning Board shall be the principal planning body of the University and shall ensure that the infrastructure and academic support system meets the norms of the University Grants Commission or the respective Councils.
- (2) The constitution of the planning board, term of office of its members and its power and functions shall be such as may be prescribed.

27. Other Authorities.

The constitution, powers and functions of other authorities of the University, shall be such as may be prescribed.

28. Disqualification for membership of an authority or body.

A person shall be disqualified from being a member of any of the authorities or bodies of the university, if he/she:

- (a) is of unsound mind and stands so declared by a competent court;
- (b) is an undischarged insolvent;

- (c) has been convicted of any offence involving moral turpitude;
- (d) has been punished for indulging or in promoting unfair practice in the conduct of any examination , in any form, anywhere.

29. Vacancies not to invalidate the constitution of, or the proceedings of any authority or body of university.

No act or proceedings of any authority of the University shall be invalid merely by reason of any vacancy in or defect in the constitution of any authority or body of the University.

30. Constitution of Committees.

The authorities of the University may constitute such committee with such terms of reference as may be necessary for specific tasks to be performed shall be such as may be prescribed by the Statutes.

STATUTES, ORDINANCE AND REGULATIONS

31. First Statute.

(1) Subject to the provisions of this Act, and the rules made thereunder, the First Statutes may

provide for all or any of the following matters, namely:

- (a) the constitution, powers and functions of the authorities and other bodies of the University as may be constituted from time to time;
- (b) the terms and conditions of appointment of the Chancellor, the Vice Chancellor and their powers and functions;
- (c) the manner and terms and conditions of appointment of the Registrar and Chief Finance and Accounts Officer, their powers and functions;
- (d) the manner and terms and conditions of appointment of other officers and teachers and their powers and functions;
- (e) the terms and conditions of service of employees of the University;
- (f) the procedure for arbitration in cases of disputes between employees or students and the University;
- (g) the conferment of Honorary degrees;
- (h) the provisions regarding exemption from payment of tuition fee and awarding scholarships and fellowships to the students;
- (i) framing of policy for admission, including regulation of reservation of seats; and
- (j) fees to be charged from students.

(2) The First Statutes of the University shall be made by the Governing Body and shall be submitted to the State Government for its approval.

- (3) The State Government shall consider the First Statutes, submitted by the University and shall approve it within sixty days from the date of its receipt, with or without modifications as it may deem necessary.
- (4) The University shall communicate its agreement to the First Statutes as approved by the State Government, and if it desires not to give effect to any or all the modifications made by the State Government under sub-section (3), it may give reasons therefore and after considering such reason, the State Government may or may not accept the suggestions made by the University.
- (5) The State Government shall publish the First Statutes, as finally approved by it, in the publication.

32. Subsequent Statutes.

- (1) Subject to the provisions of this Act and the rules made thereafter, the subsequent Statutes of the University may provide for all or any of the following matters, namely :-
- (a) Creation of new authorities of the University;
 - (b) Accounting policy and financial procedure;
 - (c) Representation of teachers in the authorities of the University;
 - (d) Creation of new departments and abolition or restructuring of existing departments;
 - (e) Institution of medals and prizes;
 - (f) Procedure for creation and abolition of posts;
 - (g) Revision of fees;
 - (h) Alteration of the number of seats in different disciplines; and
 - (i) All other matters which by or under the provision of this Act required to be prescribed by the Statutes.
- (2) The Statutes of the University other than the First Statutes shall be made by the Board of Management with the approval of the Governing Body.

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 2018

- (3) The Statutes made under sub-section (2) shall be submitted to the State Government and it may approve or, if considers necessary, give suggestions for modification as far as possible within two months from the date of receipt of the Statutes.
- (4) The Governing Body shall consider the modifications suggested by the State Government and return the Statutes to it with its agreement to such changes or with its comments on the suggestions made by the State Government.

(5) The State Government shall consider the comments of the Governing Body and may approve the Statutes with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

33. First Ordinance.

(1) Subject to the provisions of this Act, the rules and the Statutes made thereunder, the First Ordinances may provide for all or any of the following matter, namely :-

- (a) The admission of students to the University and their enrolment as such;
- (b) The courses of study to be laid down for degrees, diplomas and certificates of the University;
- (c) The award of degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions, the minimum qualifications for the same;
- (d) The conditions for award of fellowships, scholarships, stipends, medals and prizes;
- (e) The conduct of examinations, including the terms of office and manner of appointment and the duties of examining bodies examiners and moderators;
- (f) Fees to be charged for the various courses examinations, degrees or diplomas of the University;
- (g) The conditions of residence of the students of the University;
- (h) Provision regarding disciplinary action against the students;
- (i) The creation, composition and functions of any other body which is considered necessary for improving the academic life of the University;
- (j) The manner of co-operation and collaboration with other Universities and institutions of higher education;
- (k) Such other matters which are required to be provided by the Ordinances by or under this Act.

(2) The First Ordinances of University shall be made by the Chancellor which after being approved by the Board of Management, shall be submitted to the State Government for its approval.

(3) The State Government shall consider the First Ordinance submitted by the Chancellor under sub-section (2) within sixty days from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.

(4) The Chancellor shall either modify the Ordinances incorporating the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the First Ordinances along with such reasons, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Chancellor and may approve the First Ordinances of the University with or without such modifications and it shall be published by the State Government in the Official Gazette, and it shall come into force from the date of such publication.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 39

34. Subsequent Ordinances.

- (1) All Ordinances other than the First Ordinances shall be made by the Academic Council which after being approved by the Governing Body shall be submitted to the State Government for its approval.
- (2) The State Government shall consider the Ordinances submitted by the Academic Council under sub-section (1) as far as possible within two months from the date of its receipt and may approve it or give suggestions for modifications therein.
- (3) The Academic Council shall either modify the Ordinances incorporation the suggestion of the State Government or give reasons for not incorporating any of the suggestions made by the State Government and shall return the Ordinances along with reason, if any, to the State Government and on receipt of the same, it shall consider the comments of the Academic Council and may approve the Ordinances with or without modifications and it shall be published by it in the Official Gazette, and shall come into force from the date of such publication.

35. Regulations.

The authorities of the University may, subject to the prior approval of the Governing Body make Regulation, consistent with this Act, the Statutes and the Ordinances made thereunder, for the conduct of business of the each such authority and committee constituted by each such authority.

36. Powers of State Government to give directions.

- (1) The State Government may, for the purpose of ascertaining the standards of teaching, examination and research or any other matter relating to the University, cause an assessment to be made in such manner as may be prescribed, by such person or persons as it may deem fit.
- (2) The State Government shall communicate its recommendations to the University on the basis of such assessment for corrective action. The University may adopt such corrective measures and make efforts so as to ensure the compliance of the recommendations.
- (3) The State Government may give such directions as it may deem fit if the University fails to comply with the recommendation made under sub-section(2) within a reasonable time. The directions given by the State Government shall be immediately complied by the University.

FUNDS OF UNIVERSITY

37. Endowment Fund.

- (1) The sponsoring body shall establish an Endowment Fund for the University with an amount specified in the Letter of Intent.
- (2) The Endowment Fund shall be used as security deposit to ensure that the University complies with the provisions of this Act and functions as per the provisions of this Act, the Statutes and the Ordinances. The State Government shall have the power to forfeit, a part or whole of the Endowment Fund in case the university or the Sponsoring Body contravenes the provisions of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules made there under.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018

- (3) The University may utilize the income from the Endowment Fund for the development of infrastructure of the university and not to meet the recurring expenditure of the university.

- (4) The amount of Endowment Fund shall be invested in such instruments as the Government may prescribe and kept invested until the dissolution of the university.
- (5) In case of investment in long term security, the certificates of the securities shall be kept in the safe custody of the Government and in case of deposit in the interest bearing Personal Deposit account in the Government Treasury, deposit shall be made with the condition that the amount shall not be withdrawn without the permission of the Government.

38. General Fund.

(1) The University shall establish a fund, which shall be called the General Fund to which the following shall be credited, namely:

- (a) Fees and other charges received by the University;
- (b) Any contribution made by the sponsoring body;
- (c) Any income received from consultancy and other work undertaken by the University in pursuance of its objective;
- (d) Trusts, bequests, donations, endowments and any other grants; and (e) All other sums received by the University.

(2) The General Fund shall be utilized for the following objects, namely:

- (a) For the repayment of debts including interest charges thereto incurred by the University for the purposes of this Act and the Statutes, the Ordinances, the Regulations, and the Rules made there under with the prior approval of the Governing Body;
- (b) To upkeep the assets of the University;
- (c) For the payment of the fee for audit of the funds created under sections 37 and 38;
- (d) To meet with the expenses of any suit or proceedings by or against the university;
- (e) For the payment of salaries, allowances, provident fund contributions, gratuity and other benefits to officers, employees, and members of the teaching and research staff;
- (f) For the payment of travelling and other allowances of the members of the Governing Body, the Executive Council, the Academic Council, other authorities and the members of any committee appointed by any of the authority or the Chairperson of the sponsoring body or the Chancellor;
- (g) For the payment of fellowships, freeships, scholarships, assistantships and other awards to the students belonging to economically weaker sections of the society or research associates, trainees or, as the case may be, in any student otherwise eligible for such awards under the Statutes, the Ordinances, the Regulations or the Rules;
- (h) For the payment of any expenses incurred by the University in carrying out the provisions of Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the Rules;

- (i) for the payment of cost of capital, not exceeding the prime lending rate from time to time of the State Bank of India, incurred by the Sponsoring Body for setting up the University and the investments made therefore;
- (j) for the payment of charges and expenditure relating to the consultancy work undertaken by the university in pursuance of this Act, Statutes, the Ordinances, the regulations or the rules;
- (k) for the payment of any other expenses including service fee payable to any organization charged with the responsibility of providing any specific service, including the managerial services to the University, on behalf of the sponsoring body, as approved by the Governing Body to be an expense for the purposes of the university;

Provided that no expenditure shall be incurred by the university in excess of the limits for total recurring expenditure and total non-recurring expenditure for the year, as may be fixed by the Governing Body, without prior approval of the Governing Body.

ACCOUNTS, AUDIT AND ANNUAL REPORT

39. Annual Report.

The Annual Report of the University shall be prepared by the University which shall include among other matters, the steps taken by the University towards the fulfillment of its objects and shall be submitted to the State Government.

40. Audit and Annual Accounts.

- (1) The annual accounts including balance sheet of the University shall be prepared by the University and the annual accounts shall be audited at least once in every year by the auditors appointed by the University for this purpose.
- (2) A copy of the annual accounts together with the audit report shall be submitted to the State Government.

WINDING UP OF UNIVERSITY

41. Winding up of University.

- (1) If the sponsoring body proposes to dissolve itself according to the provisions of law governing its constitution or incorporation; it shall give at least six months prior notice to the State Government.
- (2) The State Government shall, on receipt of such notice make such arrangements as may be necessary, for the administration of the University from the date of dissolution of the sponsoring body till the completion of syllabus by the last batch of students admitted to the University and may also cause the functioning of the University to continue by appointing an administrator in place of the sponsoring body, who shall be entrusted with the powers, duties and functions of the Sponsoring body, duties and functions of the Sponsoring Body as prescribed under this Act.

42. Dissolution of University.

(1) The Sponsoring Body who intends to dissolve the University shall give a notice to that

effect in the prescribed manner to the State Government. The State Government, after due consideration, may dissolve the University in the manner as may be prescribed;

Provided that the dissolution of the University shall have effect only after the last batches of students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded degrees, diplomas or, as the case may be, awards.

(2) On the dissolution of the University all the assets and liabilities of the University shall vest in the Sponsoring Body in the manner as may be prescribed.

(3) Where the State Government decides under sub-section (1) to dissolve the University, it may vest the powers of the Governing Body in the prescribed manner to other societies having similar objects till the dissolution of the University takes effect under the proviso to sub-section (1).

43. Special powers of State Government under certain circumstances.

(1) Where the State Government is of the opinion that the University has contravened any

of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or has violated any of the direction issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement or mal-administration has arisen in the University, it shall issue the notice requiring the University to show cause within forty-five days as to why an administrator be not appointed.

(2) On receipt of reply of the University on the notice issued under sub section (1), if the

State Government is satisfied that there is a prima facie case of contravention of any of the provision of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made thereunder or violation of directions issued by it under this Act or there is financial mismanagement or maladministration, it shall make an order of such inquiry as it may consider necessary.

(3) The State Government shall, for the purposes of any such inquiry under sub-section (2),

appoint an inquiry officer or officers to inquire into any of the allegations and to make report thereon.

- (4) The inquiry officer or officers appointed under sub-section (3) shall have the same powers as are vested in a Civil Court under the Code of Civil Procedure, 1908 while trying a suit in respect of the following matters, namely :-
- (a) Summoning and enforcing the attendance of any person and examining him on oath;
 - (b) Requiring the discovery and production of any such document or any other material as may be predicable in evidence;
 - (c) Requisitioning any public record from any court or office.
- (5) On receipt of the inquiry report from the officer or officers appointed under sub-section(3), if the State Government is satisfied that the University has contravened all or any of the provisions of this Act, the Rules, the Statutes or the Ordinances made there under or has violated any of the directions issued by it under this Act or a situation of financial mismanagement and maladministration has arisen in the University which threatens the academic standard of the University, it may appoint an administrator.

झारखंडगजट(असाधारण)सोमवार,24सत,बर,2018 43

- (6) The administrator appointed under sub-section (5) shall exercise all the powers and perform all the duties of the Governing Body and the Board of Management under this Act and shall administer the affairs of the University until the last batch of the students of the regular courses have completed their courses and they have been awarded with degrees, diplomas or, as the case may be, awards.
- (7) After having been awarded the degrees, diplomas or, as the case may be, to the last batches of the students of the regular courses, the administrator shall make a report to that effect to the State Government.
- (8) On receipt of the report under sub-section (7), the State Government shall dissolve the University and on dissolution of the University, all the assets and liabilities of the University shall vest in the sponsoring body.

MISCELLANEOUS

44. Power of the State Government to make Rules.

- (1) The State Government may, by notification in the Official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.
- (2) All rules made under this section shall be laid for not less than thirty days before the State Legislature as soon as may be after they are made and shall be subject to rescission by the State Legislature or to such modification as the State Legislature or to such modification as the State Legislature may make during the session in which they are so laid or the Session immediately following.

45. Completion of courses of students.

Notwithstanding anything contained in this Act or the Regulations, any student of the constituent colleges or institutions of the University specified in the Schedule and affiliated to any University who immediately before the commencement of this Act was studying or was eligible for any examination of that University shall be permitted to complete his course in preparation therefore, and the University shall provide for the instruction, teaching, training and examination of such students, in accordance with the courses of studies of the respective University in such manner and for such period as may be prescribed.

46. Power to remove difficulties.

- (1) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the State Government may, by order published in the Official Gazette, take steps not inconsistent with the provisions of this Act, as appear to it to be necessary or expedient for removing the difficulty.

Provided that no notification order under sub section (1) shall be made after the expiration of a period of three years from the commencement of this Act.

- (2) Every order made under this section shall, as soon as may be after it is made, be laid before the State Legislature.

झारखंड गजट (असाधारण) सोमवार, 24 सितंबर, 201

8

SCHEDULE A

- (1) Acquire not less than 10 acres of land for its main Campus, if single-domain, and 25 acres of land, if multi-domain within two years after starting the functioning of the university. An integrated campus may have certain facilities in common such as auditorium, cafeteria, hostels, etc. and hence the land requirement may vary accordingly.
- (2) Construct Administrative Building of at least 1000 sq. mtrs., academic building including library, lecture theatres, laboratories of at least 10000 sq. mtrs., adequate residential accommodations for teachers, guest houses, hostels which shall gradually be increased to accommodate at least 25% of the total student strength in each course within 3 years of its coming into existence. In case the University is conducting professional programmes of study, prevailing norms and standards of respective statutory body shall be applicable. Existing institutes must undertake expansion/renovation/restructuring to meet the prescribed norms of the State Government.

झारखंड रायपाल के आदेश से,

संजय & साद,

धान सचिव-सह-2 व 0 ध परामश-

2 व 0 ध 2 व भाग, झारखंड, राँची ।

खंड राजक=य मुणालय, राँची वारा काशत एवं मुठत

झारखंड गजट (असाधारण) असाधारण) 904 -- 50